उज्जैन
शुक्रवार
16
अक्टूबर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-343
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 एसडीएम पति को देना होंगे 20 हजार रुपए हर माह

7 न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर रह सकते हैं बुमराह



दृश्यम एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ऑडिशन के लिए शादी छोड़ी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

माता-पिता चाहते थे कि श्रिया सरन पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग में आएं, लेकिन एक म्यूजिक वीडियो ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। तेलुगु फिल्म इष्टम से करियर शुरू करने वाली श्रिया ने साउथ की फिल्मों में पहचान बनाई, लेकिन बॉलीवुड में संघर्ष करना पड़ा। तुझे मेरी कसम, शुक्रिया और मिशन इस्तांबुल से उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। उन्होंने करियर में गलत फैसले लेने की बात भी स्वीकार की। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रजनीकांत की शिवाजी, अजय देवगन की दृश्यम फ्रेंचाइजी और एसएस राजामौली की आरआरआर ने उन्हें नई पहचान दी। श्रिया सरन का फिल्मी सफर पारंपरिक तरीके से शुरू नहीं हुआ। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं था और न ही उन्होंने बचपन से अभिनेत्री बनने का सपना देखा था। उनका जन्म 11 सितंबर 1982 को हुआ। हरिद्वार में शुरूआती जीवन बिताने के बाद वह दिल्ली आईं। वहां उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई के साथ कथक की ट्रेनिंग भी ली।

देश

- **गुजरात** : गांधीनगर में बड़ा हादसा, फैक्ट्री का बॉयलर फटने से चार लोगों की मौत, कई घायल
- **झारखंड** : 50 लाख के 70 नाखून-हड्डी, फर और खाल जब्त, 3 वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार
- **बिहार** से विदेश भेजने के नाम पर 350 युवकों से करोड़ों की ठगी, पुलिस ने चार पर केस किया दर्ज
- **बीना-ग्वालियर** ट्रेन में 16 लाख के जेवर चोरी, चार महीने बाद यूपी के सुनार को जीआरपी ने किया गिरफ्तार
- **एमपी-यूपी** सहित 17 राज्यों-यूटी में वोटर लिस्ट अपडेट होगी, एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग का आदेश, नाम कटने-जुड़ने की जानकारी पार्टियों को दी जाएगी
- **महाराष्ट्र में** पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं, दिवाली-क्रिसमस में नहीं फोड़ सकेंगे, बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- प्रदूषण से शहर गैस चैंबर बन सकते हैं

विदेश

- **सऊदी** के महंगे हथियारों पर हूतियों के सस्ते ड्रोन भारी, 15 लाख का ड्रोन रोकने में 30 करोड़ खर्च, यमन में जीत का रास्ता मुश्किल
- **अमेरिका** के स्कूल में गोलीबारी, 4 की मौत, इनमें 3 बच्चे, स्थानीय नागरिक ने हमलावर को मार गिराया, इस साल स्कूलों में फायरिंग का 26वां मामला
- **भारत** पर 100% टैरिफ लगेगा या नहीं,10 दिन में फैसला, ट्रम्प तय करेंगे रूसी तेल खरीदने वाले किन देशों पर प्रतिबंध, खुद डीजल खरीद रहे

व्यापार

- **आकाश अंबानी** बोले- 6जी के लिए सिर्फ सॉफ्टवेयर अपडेट होगा, टावर लगाने की जरूरत नहीं
- **सोना** 5 दिन में 3,488 रु. और चांदी 12,834 रु. सस्ती, 10 ग्राम गोल्ड 1.46 लाख रु. पर आया, चांदी 2.08 लाख रु. पहुंची

कार्टून..



पत्रकारों को जानना जरूरी है मध्यप्रदेश में ठाकुर साहब का खेला?

प्रदेश का विज्ञापन बजट आखिर कहां जा रहा है? अधिकार अधिकारियों के पास या फैसले सिर्फ आयुक्त की मर्जी से?

मध्यप्रदेश के पत्रकारों, अब वक्त आ गया है कि आप जनसंपर्क विभाग की विज्ञापन नीति की यात्रा पर निकलें। पता लगाइए कि प्रदेश का विज्ञापन बजट आखिर कहां जा रहा है, किसे मिल रहा है और किन नियमों के आधार पर बांटा जा रहा है। क्योंकि यह पैसा किसी अधिकारी की निजी जेब से नहीं, बल्कि जनता के खजाने से खर्च होता है। इसलिए इसका हिसाब मांगना पत्रकारों का अधिकार है।

सवाल सीधा है मध्यप्रदेश की योजनाएं, मध्यप्रदेश का बजट और मध्यप्रदेश की जनता, फिर सरकारी योजनाओं के प्रचार में प्रदेश के बाहर के मीडिया संस्थानों पर करोड़ों रुपये खर्च करने की प्राथमिकता क्यों? क्या प्रदेश के स्थानीय अखबार और चैनल सरकार की योजनाओं का प्रचार करने के योग्य नहीं हैं? या फिर विज्ञापन वितरण की व्यवस्था में कुछ ऐसे समीकरण हैं, जिनकी कहानी जनता और पत्रकारों के सामने आना बाकी है?

2023 के बाद भी वही कहानी? वर्ष 2023 के बाद से नियमित विज्ञापन पाने वाले मीडिया संस्थानों की सूची और उसके वितरण को लेकर सवाल उठते रहे हैं। आरोप हैं कि पूर्व आयुक्त के कार्यकाल में भी नियमित विज्ञापन की सूची को लेकर अड़चनें थीं और वर्तमान व्यवस्था में भी पारदर्शिता को लेकर सवाल बने हुए हैं। इसी बीच प्रदेश के बाहर के मीडिया संस्थानों को विज्ञापन दिए जाने को लेकर भी चर्चा और असंतोष है।

अब सवाल यह है कि नियमित विज्ञापन की सूची को रोकने या जारी करने के पीछे आखिर कौन-से नियम लागू होते हैं? किन संस्थानों को पात्र माना जाता है? विज्ञापन आवंटन में किस अधिकारी की क्या भूमिका है? और क्या इन फैसलों का आधार सार्वजनिक मानक हैं या किसी एक अधिकारी की पसंद?

यदि सब कुछ नियमों के मुताबिक हो रहा है, तो विज्ञापन आवंटन की पूरी सूची, राशि और पात्रता के मानक सार्वजनिक कर दीजिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

जब सब फैसले आयुक्त ही करेंगे, तो बाकी अधिकारी किसलिए?

जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक हों या संयुक्त संचालक, उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।



यदि हर महत्वपूर्ण निर्णय आयुक्त के स्तर पर ही होना है, तो बाकी अधिकारियों को नियमों के तहत दिए गए अधिकारों का व्यावहारिक उपयोग करने का अवसर क्यों नहीं मिलना चाहिए?

ठाकुर साहब, यदि हर फैसले की चाबी आपके ही हाथ में है, तो फिर बाकी अधिकारियों को जिम्मेदारी और अधिकार देने का मतलब क्या रह जाता है?

अधिकारियों को जिम्मेदारी दीजिए, नियमों के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता दीजिए और जवाबदेही भी तय कीजिए। हर व्यवस्था को एक व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर बना देना किसी भी प्रशासनिक प्रणाली के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

व्यंग्य तो यह है कि अधिकारों पर पहरा भी आपका, फैसलों की चाबी भी आपके पास और व्यवस्था में गड़बड़ी का सवाल उठे तो जवाबदेही किसकी होगी?

और साहब, यदि बाकी अधिकारियों को भी नियमों के अनुसार निर्णय लेने का अवसर मिलेगा, तो उनकी प्रशासनिक क्षमता भी सामने आएगी। आखिर विभाग में अधिकारी केवल कुर्सियां भरने के लिए तो नियुक्त नहीं किए जाते!

प्रदेश के बाहर के मीडिया पर मेहरबानी क्यों? मध्यप्रदेश की सरकार अपनी योजनाओं का प्रचार करती है। यह उसका अधिकार भी है और जनता तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाना उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन प्रचार की रणनीति बनाते समय यह देखना जरूरी है कि विज्ञापन का वास्तविक लाभ किसे और कितना मिल रहा है।

दिल्ली या दूसरे राज्यों में प्रकाशित होने वाले अखबारों और वहां के मीडिया संस्थानों को विज्ञापन देना अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन यदि प्रदेश के बाहर के संस्थानों को करोड़ों रुपये दिए जा रहे हैं और मध्यप्रदेश के स्थानीय अखबार तथा चैनल विज्ञापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो इस अंतर का आधार सार्वजनिक होना चाहिए।

आखिर प्रदेश की योजनाओं का प्रचार इस तरह क्यों नहीं किया जाता कि प्रदेश के स्थानीय मीडिया संस्थानों को भी उचित अवसर मिले? क्या सरकार ने विज्ञापन वितरण के लिए कोई ऐसा आकलन किया है, जिसमें मध्यप्रदेश के पाठकों, दर्शकों और स्थानीय मीडिया की पहुंच को प्राथमिकता दी गई हो?

योजना मध्यप्रदेश की, बजट मध्यप्रदेश का और प्रचार दूसरे राज्यों में तो क्या दिल्ली में बैठकर लोग मध्यप्रदेश की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं?

लेकिन इसके पीछे छिपा मुद्दा गंभीर है। सरकारी विज्ञापन का उद्देश्य केवल प्रचार करना नहीं, बल्कि सही माध्यम से सही जनता तक सूचना पहुंचाना भी है। इसलिए विज्ञापन के हर बड़े आवंटन का औचित्य स्पष्ट होना चाहिए।

गैस त्रासदी की याद और व्यवस्था पर सवाल मध्यप्रदेश की गैस त्रासदी आज भी प्रशासनिक जवाबदेही और न्याय के सवालों की सबसे दर्दनाक यादों में से एक है। उस त्रासदी के बाद विदेशी आरोपियों की जवाबदेही और उनके भारत से बाहर जाने को लेकर भी लंबे समय से बहस होती रही है।

ऐसे ऐतिहासिक संदर्भों को आज की प्रशासनिक व्यवस्था से जोड़ते समय तथ्यों का ध्यान रखना जरूरी है। लेकिन सवाल पूछने का अधिकार किसी से छीना नहीं जा सकता। आज भी जनता यह जानना चाहती है कि सत्ता और प्रशासन में निर्णय किस आधार पर लिए जाते हैं, जवाबदेही किसकी होती है और नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित किया जाता है।

जनसंपर्क विभाग में भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। पद बड़ा हो या छोटा, किसी अधिकारी के फैसले सवालों से ऊपर नहीं हो सकते। ट्रांसफर के नाम पर बाहर भेजे गए अधिकारी क्या कह रहे हैं? विभाग में स्थानांतरण और अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर भी चर्चा है। यदि योग्य अधिकारियों को स्थानांतरण के बाद ऐसी जगह भेजा गया है, जहां उनकी क्षमता का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा, तो इस पर भी पारदर्शी जवाब मिलना चाहिए।

क्या तबादले प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर हुए? क्या निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया? क्या अधिकारियों को अपनी बात रखने का अवसर मिला? इन सवालों का जवाब रिकॉर्ड और आदेशों से मिल सकता है।

किसी अधिकारी के साथ अन्याय हुआ है, तो उसे न्याय मिलना चाहिए। लेकिन आरोपों को प्रमाणित करने के लिए दस्तावेज जरूरी हैं। प्रशासन में निष्पक्षता का अर्थ यही है कि किसी की पसंद या नाराजगी के बजाय नियमों के अनुसार निर्णय हों।

याद रखिए, किसी पीड़ित की पीड़ा को अनसुना करना समस्या को समाप्त नहीं करता। न्याय और निष्पक्षता ही संस्थाओं में विश्वास कायम रखते हैं।

और अब गरीब झोला छाप खबरी की सुनिए! ठाकुर साहब, मैं कुछ कहूंगा तो डर भी लगता है। कहीं मेरी गरीबी का फायदा उठाकर मेरे ही खाते में कुछ ऐसा न लिख दिया जाए, जिसका हिसाब मुझे ही देना पड़े। गरीब पत्रकार के पास न बड़े संस्थान का रसूख है, न विज्ञापन का मजबूत सहारा और न ही सत्ता के गलियारों में अपनी बात मनवाने की ताकत।

कल को कोई यह भी कह सकता है कि मुझसे पूछकर अखबार शुरू किया था क्या? या फिर कोई यह प्रस्ताव रख सकता है कि मुझे साझेदार बना लो, लाखों रुपये के विज्ञापन दिलवा दूंगा। व्यंग्य में कही गई यह बात उस माहौल की ओर इशारा करती है, जिसमें पत्रकार को स्वतंत्र रहने और अपने संस्थान को चलाने के बीच कठिन चुनाव करना पड़ सकता है।

मैं तो बस इतना जानता हूं कि अखबार किसी अधिकारी की कृपा से नहीं, जनता के भरोसे से चलता है। पत्रकारिता में साझेदारी हो या विज्ञापन, सब कुछ नियमों और स्पष्ट शर्तों के तहत होना चाहिए। किसी भी पत्रकार को अपने सवालों की कीमत चुकाने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए।

ठाकुर साहब, जवाब दीजिए वर्ष 2023 से अब तक मध्यप्रदेश के बाहर के मीडिया संस्थानों को कितने रुपये के सरकारी विज्ञापन दिए गए? मध्यप्रदेश के अखबारों और चैनलों को कितनी राशि मिली? नियमित विज्ञापन की सूची बनाने के मानक क्या हैं? अपर संचालक और संयुक्त संचालक के अधिकारों का वास्तविक उपयोग कितना हो रहा है? अधिकारियों के स्थानांतरण किन आधारों पर किए गए? और क्या विज्ञापन आवंटन की पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध है?

इन सवालों का जवाब किसी पत्रकार की गरीबी, उसकी हैसियत या उसके संस्थान के आकार से नहीं, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड से दिया जाना चाहिए।

क्योंकि सरकारी विज्ञापन किसी अधिकारी की निजी जागीर नहीं है। यह जनता के पैसे से चलने वाली व्यवस्था है और इसका हिसाब जनता को मिलना ही चाहिए।

ठाकुर साहब, कुर्सी स्थायी नहीं होती, लेकिन फैसलों का रिकॉर्ड रह जाता है। आज जिन अधिकारियों की आवाज नहीं सुनी जा रही, जिन स्थानीय अखबारों को विज्ञापन नहीं मिल रहे और जो पत्रकार सवाल पूछने से डर रहे हैं, उनकी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होना जरूरी है।

किसी की हाय से पीढ़ियां बर्बाद होती हैं या नहीं, यह आस्था का विषय हो सकता है। लेकिन अन्याय, पक्षपात और अपारदर्शिता से संस्थाएं जरूर कमजोर होती हैं।

इसलिए जनसंपर्क विभाग से मांग है कि विज्ञापन वितरण का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाए, अधिकारियों के अधिकारों का सम्मान हो और मध्यप्रदेश के स्थानीय मीडिया को निष्पक्ष अवसर मिले।

अब सवाल यह नहीं कि झोला छाप खबरी कौन है। सवाल यह है कि जनता के पैसे का हिसाब देने से आखिर किसे परेशानी है?

झोला छाप खबरी

उज्जैन में सभी गरबा आयोजन निःशुल्क

उज्जैन में गरबा आयोजनों के पेड पास पर विवाद, अर्जुन सिंह भदौरिया बोले—सभी गरबा निःशुल्क

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

नवरात्रि के दौरान शहर में आयोजित गरबा महोत्सवों में प्रवेश शुल्क और पास व्यवस्था को लेकर विवाद सामने आया है। हिंदूवादी नेता अर्जुन सिंह भदौरिया ने दावा किया है कि उज्जैन में आयोजित गरबा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पास बेचने की अनुमति प्रशासन की ओर से नहीं दी गई है। उन्होंने शहर की माताओं, बहनों और परिवारों से अपील की है कि वे गरबा आयोजनों में पहुंचकर उत्सव में भाग लें और यदि कोई उनसे पास मांगता है या गरबा करने से रोकता है, तो इसकी शिकायत पुलिस से करें।

भदौरिया के अनुसार, शहर में कई स्थानों पर गरबा आयोजन हो रहे हैं, जिनमें परमेश्वरी गार्डन, आस्था गार्डन, होटल मित्तल रिसॉर्ट, राजाराम रिसॉर्ट और राजमहल शामिल हैं। उन्होंने इन आयोजनों में प्रवेश के लिए पास बेचने की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोजकों द्वारा प्रशासन को दिए गए आवेदनों में पास बेचने का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। इसी आधार पर उन्होंने दावा किया कि गरबा कार्यक्रमों में प्रवेश निःशुल्क होना चाहिए।

पास बेचने की अनुमति पर उठाए सवाल- अर्जुन सिंह भदौरिया ने कहा कि गरबा नवरात्रि का पारंपरिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी होनी चाहिए। उनके अनुसार, यदि आयोजनों में प्रवेश के लिए पास बेचे जा रहे हैं, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि इसके लिए प्रशासन की अनुमति ली गई है या नहीं। उन्होंने प्रशासन से जुड़े अनुमति संबंधी दस्तावेजों का हवाला देते हुए पेड पास व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, आयोजकों को जारी अनुमति की वास्तविक शर्तों और प्रवेश शुल्क संबंधी प्रावधानों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। ऐसे में सभी आयोजनों को अनिवार्य रूप से निशुल्क घोषित किए जाने के दावे की पुष्टि संबंधित अनुमति पत्रों और प्रशासन के पक्ष से होना आवश्यक है।



परमेश्वरी गार्डन से राजमहल तक आयोजित कार्यक्रमों को लेकर हिंदूवादी नेता का दावा

पास मांगने या प्रवेश से रोकने पर वीडियो बनाकर पुलिस से शिकायत करने की अपील

परिवारों से गरबा में शामिल होने की अपील

भदौरिया ने उज्जैन की माताओं, बहनों और परिवारों से अपील की कि वे अपने परिवार के साथ गरबा आयोजनों में जाएं और उत्सव में भाग लें। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्थान पर उनसे पास मांगा जाता है या प्रवेश करने से रोका जाता है, तो वे घटना का सेल्फी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करें और स्थानीय पुलिस को शिकायत दें। उनकी इस अपील के बाद गरबा आयोजनों में प्रवेश व्यवस्था और प्रशासन की अनुमति की शर्तों को लेकर चर्चा तेज होने की संभावना है। नवरात्रि के दौरान गरबा स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है, इसलिए प्रवेश, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

प्रशासन और आयोजकों का पक्ष भी महत्वपूर्ण

इस पूरे मामले में अब प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। यदि आयोजनों की अनुमति में प्रवेश शुल्क या पास बिक्री को लेकर कोई शर्त निर्धारित है, तो उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। वहीं, यदि किसी आयोजन में अनुमति की शर्तों का उल्लंघन हो रहा है, तो संबंधित अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, आयोजकों का पक्ष सामने आना भी जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पास किस आधार पर बेचे जा रहे हैं और आयोजन के लिए जारी अनुमति में प्रवेश व्यवस्था से संबंधित क्या प्रावधान हैं। गरबा उत्सव में भागीदारी, धार्मिक परंपरा और नागरिकों की सुविधा महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी आयोजन की प्रवेश व्यवस्था का निर्धारण प्रशासन की अनुमति की शर्तों और लागू नियमों के आधार पर होना चाहिए। अब निगाह इस बात पर रहेगी कि प्रशासन भदौरिया के दावों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करता है या नहीं और गरबा आयोजनों में प्रवेश को लेकर उठे सवालों का क्या समाधान निकलता है।

दिल्ली में आज कॉकरोच पार्टी की तिरंगा रैली

दीपके का दावा- कभी भी गिरफ्तार हो सकता हूं, सादे कपड़ों में पुलिस पीछा कर रही

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को होने वाली तिरंगा रैली से पहले कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने गिरफ्तारी की आशंका जताई है। उन्होंने गुरुवार रात 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि दिल्ली पुलिस उन्हें गुरुवार रात या शुक्रवार सुबह तक गिरफ्तार कर सकती है।



अभिजीत ने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर आरोप लगाया कि सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनका पीछा कर रहे हैं। उन्होंने कहा- मैं नरेंद्र मोदी से कहना चाहता हूं कि हम इससे डरने वाले नहीं हैं। मैं यहां बैठा हूं, आओ उठा लो। अगर इस देश में तिरंगा लहराने के लिए जेल जाना पड़ेगा, तो हम उसके लिए तैयार हैं। सीजेपी शुक्रवार शाम 5 बजे कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में लहरा दो तिरंगा रैली करने जा रही है। पार्टी की मांग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की है। साथ ही, वह आशुतोष रांका और सौरव दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का विरोध करेगी। हालांकि, कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में इठरर की धारा 163 लागू है।

सरकार बदलनी होगी : प्रशांत भूषण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके और आयशा अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें नेहा के बोलने से पहले कुछ लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। दीपके ने कहा- सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए तिरंगा फहराना भी अपराध बना दिया है।



सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण और एक्टर प्रकाश राज भी प्रेस कॉन्फ्रेंस शामिल हुए। प्रशांत भूषण ने कहा- सरकार की बर्बरता जारी रही, तो सरकार बदलनी होगी। लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई सिविल सोसायटी और युवाओं के नेतृत्व में लड़ी जाएगी। इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस में सीजेपी के प्रदर्शन पर रोक लगाने का आदेश देने से इनकार कर दिया। सीजेपी ने एसआईआर के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा फहराकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। नई दिल्ली नगर परिषद ने एक नोटिस में कहा है कि प्रशासनिक कारणों से कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क 16 और 17 अक्टूबर को लोगों के लिए बंद रहेगा। यह कदम शुक्रवार को पार्क में होने वाले सीजेपी के लहरा दो तिरंगा मार्च से पहले उठाया गया है।

जियो आईपीओ का प्राइस बैंड आते ही भागा रिलायंस का शेयर, लाखों शेयरहोल्डर्स को क्या होगा फायदा?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज बाजार खुलते ही 3 फीसदी उछल गया। इस पर मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनी का शेयर 1,209.50 रुपये तक उछला। रिलायंस के शेयरों में यह तेजी इसलिए आई है क्योंकि उसकी सब्सिडियरी कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ ला रही है। कंपनी ने बुधवार को इसकी डिटेल जारी कर दी। यह करीब तीन दशक में रिलायंस का पहला आईपीओ है।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने बताया कि वह आईपीओ के जरिए 27 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा और इसमें ऑफर फॉर सेल का कोई हिस्सा शामिल नहीं है। इसके लिए 1,065 रुपये से 1,119 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर इस इश्यू की वैल्यू 30,213 करोड़ रुपये बैठती है। यह 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ से भी बड़ा है। इस इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए रखा गया है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के मौजूदा शेयरधारकों के लिए 2,500 करोड़ रुपये की कीमत वाले 2.23 करोड़ शेयर रिजर्व किए गए हैं। शेयरधारक कैटेगरी के तहत आवेदन करने की पात्रता तय करने के लिए 14 अक्टूबर को कट-ऑफ डेट रखा गया है।

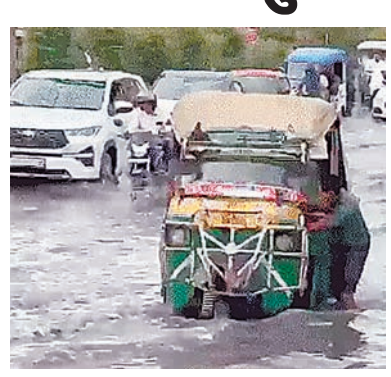
राजस्थान में तेज बारिश के साथ ओले गिरे : बिहार-यूपी समेत 3 राज्यों में बारिश का अलर्ट

केदारनाथ-बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब में बर्फबारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से मौसम बदल गया है। गुरुवार को 7 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। बारिश और ओले गिरने से तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। आज भी 7 जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है।

उत्तराखंड के 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को केदारनाथ, चोपता, हेमकुंड साहिब और बद्रीनाथ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। शुक्रवार सुबह केदारनाथ में तापमान -6डिग्री और बद्रीनाथ में -5डिग्री दर्ज किया गया।



बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बाद अब पछुआ हवा चल रही है। राज्य के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 17 और 18 अक्टूबर को उत्तर बिहार के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है।

यूपी में मौसम विभाग ने आज 37 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में बिजली गिरने की भी आशंका जताई है। कासगंज में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई।

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव हैं। इनके असर से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा। शुक्रवार को ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना और शिवपुरी में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

महाकाल श्रृंगार



रजत चंद्र-त्रिशूल मुकुट से सजे बाबा, भस्म अर्पित कर साकार रूप में दिए दर्शन

अपनेतक

नर्मदा का जल पहुंचा, अब व्यवस्था की परीक्षा

उज्जैन में गंभीर डैम और गऊघाट प्लांट तक मां नर्मदा का जल पहुंचना निश्चित ही राहत की खबर है। अल्प वर्षा के चलते जल संकट की आशंका के बीच इससे शहर की पेयजल व्यवस्था को सहारा मिलेगा। लेकिन सवाल सिर्फ पानी पहुंचने का नहीं, बल्कि हर घर तक नियमित और पर्याप्त पानी पहुंचाने का है। नर्मदा जल संकट के समय राहत दे सकता है, पर स्थायी समाधान के लिए जल स्रोतों का बेहतर प्रबंधन, पाइपलाइन की निगरानी, लीकेज पर नियंत्रण और पानी की बबार्दी रोकना भी जरूरी है।

नगर निगम को यह सुनिश्चित करना होगा कि जलापूर्ति के नाम पर किसी क्षेत्र को राहत और किसी को परेशानी न झेलनी पड़े। उज्जैन जैसे धार्मिक और तेजी से विस्तार करते शहर में पेयजल केवल सुविधा नहीं, बुनियादी जरूरत है। नर्मदा का जल पहुंचना अच्छी शुरूआत है, लेकिन असली सफलता तब मानी जाएगी जब शहरवासियों को बिना कटौती, बिना भेदभाव और नियमित रूप से पानी मिले। राहत की इस खबर को स्थायी व्यवस्था में बदलना ही प्रशासन की असली परीक्षा है।

स्वर्णकार समाज महिला संगठन ने किया एक दिवसीय गरबा रास



उज्जैन। श्री मेढ़ क्षत्रीय मेवाडा स्वर्णकार समाज महिला संगठन द्वारा एक दिवसीय गरबा रास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धर्मशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश सोनी ने माता की आरती की। आयोजन में स्वर्णकार समाज की मातृशक्ति और महिला संगठन की सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

बरकतउल्ला विवि के कुलगुरु बने डॉ. बेदिया, विक्रम विवि शिक्षक संघ ने किया सम्मान

उज्जैन। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु नियुक्त होने पर डॉ. डीडी बेदिया का सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में शिक्षक संघ द्वारा सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता विवि के प्रभारी कुलगुरु डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने की। डॉ. शर्मा ने विवि में डॉ. बेदिया की 19 वर्षों की यात्रा का सजीव चित्रण करते हुए उनके योगदान की सराहना की। डॉ. दीपक गुप्ता ने डॉ. बेदिया के कार्यों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। पं. जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र मेहता, कुलसचिव अनिल कुमार शर्मा, सहायक कुलसचिव गौरी शंकर बरार और शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. कनिया मेड़ा ने भी डॉ. बेदिया के साथ अपने अनुभव और स्मृतियां साझा कीं। सम्मान के बाद डॉ. बेदिया ने सभी का आभार जताते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण और सबके सहयोग से आगे काम करने की बात कही। संचालन डॉ. राज बोरिया ने किया।

आभार डॉ. अनिल कुमार जैन ने माना। समारोह में वित्त नियंत्रक तोमर, परीक्षा नियंत्रक प्रो. द्विवेदी, डॉ. उमेश सिंह, डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. दशोरा, डॉ. टेलर, डॉ. स्वाती दुबे, डॉ. वीजे परमार, डॉ. सलील सिंह, डॉ. वीरेंद्र चावरे, डॉ. निश्चल यादव और संजू सिंह सहित विवि के अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजाराम रिसॉर्ट में डांडिया बीट्स के दौरान मची अफरा-तफरी, एंट्री गेट पर भगदड़ जैसे हालात

भारी भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच जमीन पर गिरे युवक-युवतियां, भीड़ प्रबंधन पर उठे सवाल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



शहर के राजाराम रिसॉर्ट में आयोजित डांडिया बीट्स गरबा महोत्सव के दौरान प्रवेश द्वार पर अचानक अव्यवस्था फैल गई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से एंट्री गेट पर भीड़ का दबाव बढ़ गया। इसी दौरान धक्का-मुक्की होने से भगदड़ जैसे हालात बन गए और कतार में खड़े कई युवक-युवतियां संतुलन बिगड़ने के कारण जमीन पर गिर पड़े। अचानक पैदा हुई इस स्थिति से प्रवेश द्वार पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। प्रवेश के दौरान जगह कम पड़ने और भीड़ का दबाव बढ़ने से स्थिति बिगड़ती चली गई। लोग आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे, इसी बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और नीचे गिर गए। इससे वहां मौजूद अन्य लोगों में भी घबराहट फैल गई।

घटना के बाद कार्यक्रम में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि आयोजकों की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने तथा प्रवेश व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। हालांकि, आयोजन स्थल की वास्तविक क्षमता, कार्यक्रम में पहुंचे लोगों की संख्या और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

प्रवेश द्वार पर मची अफरा-तफरी ने एक बार फिर बड़े आयोजनों में सुरक्षा इंतजामों की अहमियत को सामने ला दिया है। गनीमत रही कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थिति पर समय रहते काबू पा लिया गया और किसी बड़े हादसे की सूचना सामने नहीं आई। हालांकि, घटना में नीचे गिरे लोगों को चोट लगी या नहीं, इस संबंध में आधिकारिक जानकारी की पुष्टि नहीं हुई है।

आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था जरूरी

गरबा और डांडिया जैसे आयोजनों में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों और परिवारों की भागीदारी रहती है। ऐसे में आयोजकों की जिम्मेदारी है कि प्रवेश और निकास के लिए पर्याप्त स्थान, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ने पर तत्काल नियंत्रण के उपाय भी जरूरी हैं।

राजाराम रिसॉर्ट में हुई इस घटना ने सवाल खड़ा किया है कि बड़े आयोजनों में भीड़ जुटाने के साथ उसकी सुरक्षित आवाजाही की व्यवस्था को कितनी गंभीरता से लिया जा रहा है। यदि भीड़ प्रबंधन में लापरवाही हुई है, तो इसकी जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे की नौबत न आए।

लालपुर के बजाय हीरा मिल या नरेश जिनिंग मिल की खाली भूमि पर जगह देने का आग्रह

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर के मध्य ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित करने की मांग को लेकर उज्जैन गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष सौरभ जैन के नेतृत्व में कलेक्टर रोशन सिंह से मुलाकात की। संगठन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित लालपुर के बजाय शहर के नजदीक जगह उपलब्ध कराने का आग्रह किया। कलेक्टर ने इस विषय पर सरलता से विचार कर जल्द उचित स्थान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

एसोसिएशन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि भैरवगढ़ बटिक प्रिंट, पावरलूम, नमकीन, दोना पत्तल, अगरबत्ती, पोहा और परमल उद्योग शहर की मुख्य औद्योगिक पहचान हैं। कम पूंजी वाले इन छोटे व्यवसायों में माल की ढुलाई साइकिल और दोपहिया वाहनों से की जाती है। प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर लालपुर मुख्य व्यावसायिक स्थल से काफी दूर है। वहां ट्रांसपोर्ट नगर शिफ्ट होने से छोटे व्यापारियों के लिए जटिल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और माल ढुलाई का खर्च बढ़ने से उत्पादों की लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा बोझ आम जनता पर आएगा। संगठन ने जनहित और व्यावसायिक हित को ध्यान में रखते हुए लालपुर के प्रस्ताव को निरस्त कर शहर के मध्य स्थित हीरा मिल या नरेश जिनिंग मिल की रिक्त भूमि पर परचून के ट्रांसपोर्टरों के लिए ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से यश जैन, अब्दुल अहमद, इमरान भाई, देवेंद्र नेम, गोकुल शर्मा, जाकिर हुसैन, तरुण गुप्ता, धर्मेंद्र खंडेलवाल, अशोक जैन और महाकाल ट्रांसपोर्ट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

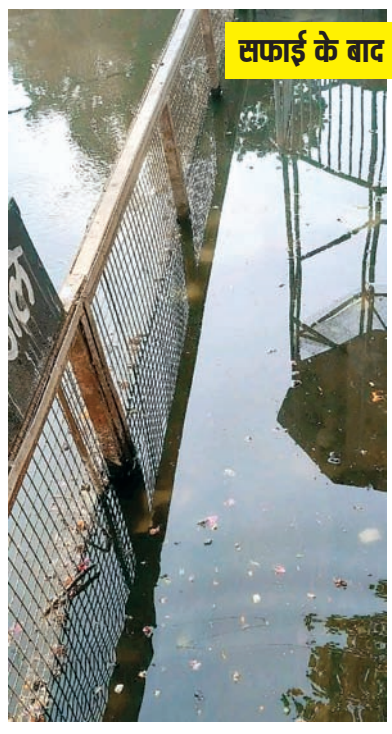
अदिति गेहलोत की पोस्ट पर हुई त्वरित कार्रवाई

क्षीर सागर कुंड की सफाई के बाद तस्वीर बदली, नगर निगम की तत्परता के साथ नागरिकों की जिम्मेदारी भी

सवाल यह भी कि सार्वजनिक स्थलों की दुर्दशा के लिए क्या हम खुद जिम्मेदार नहीं?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन





शहर की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों को स्वच्छ बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है। क्षीर सागर कुंड की दुर्दशा को लेकर अदिति गेहलोत द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद नगर निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुंड की सफाई कराई। सफाई के बाद सामने आई तस्वीरें निश्चित रूप से राहत देने वाली हैं। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया है—क्या सार्वजनिक स्थलों की बदहाली के लिए हम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं है?

क्षीर सागर कुंड की स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर मामला सामने आने के बाद नगर निगम की ओर से सफाई कराई गई। सफाई के बाद कुंड की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें साफ-सफाई के प्रयास दिखाई दे रहे हैं। यह कार्रवाई बताती है कि नागरिकों की शिकायतें जिम्मेदार विभाग तक पहुंचें और उन पर समय रहते ध्यान दिया जाए, तो सार्वजनिक स्थलों की स्थिति में सुधार संभव है। नगर निगम की इस तत्परता का स्वागत किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया आज नागरिकों के लिए अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन गया है। लेकिन किसी स्थान की सफाई के लिए शिकायत का इंतजार करना पड़े, यह स्थिति भी विचारणीय है।

क्या गंदगी फैलाने में हमारी भूमिका नहीं?

सवाल सिर्फ नगर निगम से नहीं, शहर के नागरिकों से भी है। सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकना, पूजा सामग्री को निर्धारित स्थान के बजाय कुंड या जलस्रोत में डालना और सफाई के प्रति लापरवाही बरतना जैसी आदतें किसी भी स्थान की दुर्दशा का कारण बन सकती हैं। क्षीर सागर कुंड की स्थिति के पीछे कौन-से कारण रहे, यह अलग विषय है, लेकिन हर नागरिक को अपने व्यवहार पर विचार जरूर करना चाहिए।

हम अक्सर सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी देखकर प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि कहीं हमारी अपनी आदतें समस्या को बढ़ावा तो नहीं दे रहीं। स्वच्छ शहर की अपेक्षा करने के साथ स्वच्छता बनाए रखने में भागीदारी भी जरूरी है।

सफाई एक दिन की नहीं निरंतर प्रक्रिया हो

नगर निगम की कार्रवाई के बाद अगली चुनौती कुंड की स्वच्छता को बरकरार रखने की है। इसके लिए नियमित सफाई, कचरा डालने पर रोक, आवश्यक सूचना बोर्ड और लोगों में जागरूकता जैसे उपाय जरूरी हैं। यदि किसी स्थान की सफाई के कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है, तो कार्रवाई का स्थायी लाभ नहीं मिल पाता। उज्जैन धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का शहर है। यहां के कुंड, घाट, मंदिर और सार्वजनिक स्थल शहर की पहचान का हिस्सा हैं। इनकी स्वच्छता से शहर की छवि ही नहीं, पर्यावरण और नागरिक जीवन की गुणवत्ता भी जुड़ी हुई है। नगर निगम की तत्परता अच्छी पहल है, लेकिन नागरिकों का सहयोग ही उसे स्थायी सफलता में बदल सकता है। प्रशासन अपना दायित्व निभाए और नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझें, तभी क्षीर सागर कुंड जैसे सार्वजनिक स्थल स्वच्छ रह सकेंगे। आखिर सवाल यही है—हम केवल गंदगी देखकर शिकायत करेंगे या उसे फैलने से रोकने की जिम्मेदारी भी निभाएंगे?

विवेकानंद कॉलोनी में आधी सड़क पर खुला पड़ा ड्रेनेज, हादसों को दे रहा न्योता



कई लोग गिरकर हो चुके हैं घायल, नगर निगम की लापरवाही से रहवासियों में नाराजगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर की विवेकानंद कॉलोनी में सड़क के आधे हिस्से पर खुला पड़ा ड्रेनेज राहगीरों के लिए खतरा बन गया है। खुले ड्रेनेज में गिरकर कई लोग घायल हो चुके हैं, इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से रहवासियों और यहां से गुजरने वाले लोगों को हादसे का डर बना रहता है। सड़क पर आवागमन के दौरान जरा-सी चूक किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

कॉलोनी में खुले पड़े ड्रेनेज के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के बड़े हिस्से में खुला ड्रेनेज होने से सुरक्षित रास्ते की जगह सीमित हो गई है। रात के समय या कम रोशनी में यहां से गुजरना और भी जोखिम भरा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस स्थान पर पहले भी कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं।

सवाल यह है कि जब खुले ड्रेनेज के कारण लोग घायल हो रहे हैं, तो संबंधित जिम्मेदार विभाग ने अब तक इसे सुरक्षित करने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी? सार्वजनिक सड़क पर इस तरह खुला ड्रेनेज छोड़ना नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है।

तत्काल सुधार की जरूरत



नगर निगम को मौके का निरीक्षण कर खुले ड्रेनेज को तत्काल ढंकने या सुरक्षित बैरिकेडिंग कराने की जरूरत है। साथ ही, जब तक स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक दुर्घटना की आशंका वाले स्थान पर स्पष्ट चेतावनी संकेत और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाने चाहिए।

विवेकानंद कॉलोनी के रहवासियों की मांग है कि संबंधित अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लें और जल्द कार्रवाई करें। सड़कें नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही के लिए होती हैं, हादसों का कारण बनने के लिए नहीं। अब देखना यह है कि नगर निगम किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किए बिना इस खतरे को दूर करता है या नहीं।

मताधिकार की रक्षा के लिए अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर सत्याग्रह आठवें दिन भी जारी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और रक्फप्रक्रिया वापस लेने की मांग, क्रमिक अनशन के तीसरे दिन कमलेश मरमट बैठे अनशन पर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा की मांग को लेकर टावर चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर जारी शांतिपूर्ण सत्याग्रह आठवें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने मतदाता सूची से कथित तौर पर पात्र नागरिकों के नाम हटाए जाने पर चिंता जताते हुए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। सत्याग्रहियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) प्रक्रिया को तत्काल वापस लेने की मांग दोहराई।

आंदोलन के तहत चल रहे क्रमिक अनशन के तीसरे दिन कमलेश मरमट अनशन पर बैठे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया का निष्पक्ष, पारदर्शी और संदेह से परे होना आवश्यक है। उनके अनुसार, मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रहना चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न हो।

सत्याग्रहियों का कहना है कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से हटता है, तो उसके मतदान के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी चिंता को लेकर आंदोलनकारियों ने रक्फ प्रक्रिया पर सवाल उठाए और मांग की कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता बरती जाए तथा पात्र नागरिकों के नाम सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आंदोलनकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना निर्वाचन तंत्र की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हालांकि, मतदाता सूची से पात्र नागरिकों के नाम हटाए जाने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध होना आवश्यक है।

बार एसोसिएशन सहित विभिन्न संगठनों का समर्थन

सत्याग्रह को उज्जैन बार एसोसिएशन के सचिव प्रकाश चौबे सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों का समर्थन मिला। समर्थन देने वालों ने संविधान में निहित अधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताया। आंदोलनकारियों का कहना है कि नागरिकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है।



आठवें दिन भी जारी रहा आंदोलन

टावर चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर सत्याग्रह जारी रहने के साथ आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों को दोहराया। उनका कहना है कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। फिलहाल सत्याग्रह के माध्यम से मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे और रक्फप्रक्रिया वापस लेने की मांग उठाई जा रही है। आंदोलन आगे किस रूप में जारी रहेगा, इस पर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

उज्जैन
गुरुवार
16
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

आयुः कर्म च विद्या च वित्तं निधनमेव च।
पञ्चैतानि विलिख्यन्ते गर्भस्थस्यैव देहिनः।।
अर्थः आयुष, (स्थिर) कर्म, विद्या (शाखा का), वित्त (गौरव का) और मृत्यु, ये पांचों शरीर के गर्भ में स्थित हैं।

खबर एक नजर...

रंगीला मैदान के पास अधेड़ का शव मिला, पुलिस ने की शिनाख्त

इंदौर। पीथमपुर में सेक्टर नंबर-1 स्थित रंगीला मैदान के पास नर्सरी क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 55 साल के एक अधेड़ का शव मिला है। सूचना मिलते ही संजय जलाशय चौकी प्रभारी अजय सिंह भदौरिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में मृतक की पहचान जगदीश पिता गोवंदी विश्वकर्मा के तौर पर बताई जा रही है, हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस को मृतक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डाक बंगला अस्पताल भेजा है। खबर लिखे जाने तक मृतक के परिजन थाने नहीं पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

अग्रवाल हुरुन लिस्ट अंडर-35 में युवा बिजनेस लीडर्स में शामिल

इंदौर। देश के युवा उद्यमियों के लिए प्रतिष्ठित अवेंडस वेल्थ हुरुन इंडिया अंडर-35 सूची-2026 गुरुवार को जारी की गई। 180 युवा उद्यमियों की सूची में इंदौर से एमराल्ड डेवलपर्स के सीईओ तपन अग्रवाल को शामिल किया गया है। अग्रवाल कोल कॉर्पोरेशन में प्रेसीडेंट कॉर्पोरेट 31 वर्षीय अग्रवाल सूची में शामिल 10 सबसे कम उम्र के उद्यमियों में मप्र के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। सूची में शामिल उद्यमियों की उम्र 35 साल से कम है। इनकी कंपनियों का मूल्य 48 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। अधिकांश उद्यमी मेट्रो सिटी से हैं। गैर मेट्रो शहर से 11 युवाओं को स्थान मिला है, जो इंदौर, सूरत सहित नासिक जैसे शहरों से हैं।सूची में 4500 करोड़ या उससे अधिक मूल्यांकन वाले उपक्रम स्थापित करने वाले फर्स्ट जनरेशन संस्थापक और 9 हजार करोड़ या उससे अधिक मूल्यांकन वाले पारिवारिक व्यवसायों को आगे बढ़ाने वाली अगली पीढ़ी के युवा लीडर्स शामिल होते हैं। तपन अग्रवाल दूसरी पीढ़ी के उद्यमशील श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी हिस्सेदारी 16 फीसदी है। इस साल फर्स्ट जनरेशन युवाओं की हिस्सेदारी 71 प्रतिशत रही है।

लोकायुक्त छापा : खान के 22 बैंक खाते फ्रीज

इंदौर। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय इंदौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक चालक फिरोज खान के ठिकानों पर लोकायुक्त संगठन द्वारा मारे गए छापे के बाद लोकायुक्त पुलिस ने खान से जुड़े सभी 22 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश सहाय के अनुसार ?छापेमारी के ठीक बाद लोकायुक्त टीम ने आरोपी के वित्तीय नेटवर्क को सील करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। आरोपी, परिजन और महिला मित्र सहित 22 खाते मिले थे। सभी बैंक खातों से पैसों के ट्रांजेक्शन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए बैंकों को निर्देश पत्र भेजे हैं। 17 खातों की अंतिम शेष राशि का विवरण मिल चुका है, जिसमें 10 लाख 06 हजार 382 रुपए जमा पाए गए हैं। बाकी पांच बैंक खातों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। मामले की जड़ तक पहुंचने के लिए लोकायुक्त ने कई अन्य विभागों और वित्तीय संस्थाओं से पत्राचार किया है। आरोपी द्वारा शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड में किए गए निवेश की जानकारी संबंधित कंपनियों और संस्थाओं से मांगी गई है।

न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी कृष्णबाग कॉलोनी की सुनवाई पूरी

इंदौर। एमआर-10 से लगी न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी अवैध कृष्णबाग कॉलोनी को लेकर हाई कोर्ट में फाइनल सुनवाई हो गई है। 6 साल से चले आ रहे कानूनी विवाद में कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रखा है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक मामले में सुनवाई पूरी हो गई है। मालूम हो, यहां के बचे 71 मकान को लेकर एक बार पहले भी हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई में रहवासियों को हार मिली है। छह साल से चल रही इस लड़ाई में जुलाई 2024 में 15 से ज्यादा मकान बारिश के बीच टूटे थे। इसके बाद भी छुटपुट कार्रवाई हुई थी, फिर स्टे आने के बाद मामला अटक गया था। इसके बाद श्रीराम बिल्डर्स ने फिर कोर्ट की शरण ली थी, वहां से जिला प्रशासन को जमीन खाली करवाने के आदेश मिले थे। अब जब भी ऑर्डर जारी होगा। प्रशासन उसके हिसाब से आगे कार्रवाई करेगा।

न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी कृष्णबाग कॉलोनी की सुनवाई पूरी

इंदौर। एमआर-10 से लगी न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी अवैध कृष्णबाग कॉलोनी को लेकर हाई कोर्ट में फाइनल सुनवाई हो गई है। 6 साल से चले आ रहे कानूनी विवाद में कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रखा है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक मामले में सुनवाई पूरी हो गई है। मालूम हो, यहां के बचे 71 मकान को लेकर एक बार पहले भी हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई में रहवासियों को हार मिली है। छह साल से चल रही इस लड़ाई में जुलाई 2024 में 15 से ज्यादा मकान बारिश के बीच टूटे थे। इसके बाद भी छुटपुट कार्रवाई हुई थी, फिर स्टे आने के बाद मामला अटक गया था।

अल्प वर्षा से उपजे जलसंकट से निपटने एआईसीटीएसएल के दफ्तर में हुई महत्वपूर्ण बैठक

बायपास पर फूटीलाइन-छूटा फव्वारा, 8 टंकियों से सप्लाय ठप

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

अल्प वर्षा से उपजे जलसंकट से निपटने गुरुवार को एआईसीटीएसएल के दफ्तर में महत्वपूर्ण बैठक हुई। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिवाली से ही जलसंकट की आशंका जताते हुए, अभी से काम करने की बात कही। हालांकि बैठक से कुछ घंटों पहले बायपास पर पाइपलाइन फूट गई और कई फीट ऊंचा फव्वारा छूट पड़ा। आठ टंकियों की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई।

बैठक में विधायक मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट व कलेक्टर शिवम वर्मा नहीं पहुंचे। विधायक गौड़ का कहना था, बैठकों से कुछ नहीं होता। पुरानी शिकायतों का ही निराकरण नहीं हुआ।

545 एमएलडी में से इंदौर आता है 415 एमएलडी पानी- निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि निगम रोज 545 एमएलडी पानी लेता है। इसमें से 415 एमएलडी इंदौर पहुंचता है। रास्ते में राऊ, महू और छह से सात पंचायतों को भी पानी दिया जाता है। यशवंत सागर से करीब 30 एमएलडी पानी मिलता है। शहर में करीब 105 टंकियां हैं। इनमें से 95 से रोज पानी दिया जाता है। 10 टंकियों से एक दिन छोड़कर सप्लाई होती है। फीडर लाइन 280 किलोमीटर की है। वितरण नेटवर्क 3101 किमी का है। नर्मदा का कवरेज शहर के करीब 83% क्षेत्र में है।



यशवंत सागर में 16 फीट पानी, जलकुंभी भी

यशवंत सागर की क्षमता 19 फीट है। अभी इसमें 16 फीट पानी भरा है। तालाब में जलकुंभी भी फैल गई है। बैठक के अंत में मंत्री ने महापौर से सिर्फ पानी के मुद्दे पर एमआईसी की बैठक बुलाने को कहा। जल आपातकाल... अभी से दोगुने टैंकर चला रहे, 40% पानी रोज बर्बाद, दिवाली से ही संकट की आशंका 302 टैंकर चलाना पड़ रहे- पिछली गर्मी में 628 निजी टैंकर चले। सामान्यतः इस मौसम में 100 से 150 टैंकर चाहिए, लेकिन अभी 302 चल रहे हैं। निगम के 84 हाइड्रेंट से टैंकर भरते हैं। बिल ही नहीं चुका रहे- 25 हजार अवैध कनेक्शन वैध हुए, फिर गर्मी में अभियान रोकना पड़ा। हाउसिंग बोर्ड और आईडीए की कॉलोनियों से 15 साल का कनेक्शन शुल्क बकाया है। 40% पानी बर्बाद हो रहा- आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया, निकायों में 30 से 40% पानी बर्बाद होता है।

किसने क्या कहा?

विधायक रमेश मेंदोला : आधी टंकी भरती है और टैंकर भरने लगते हैं। नलों से सप्लाई ही नहीं हो पाती।

विधायक मधु वर्मा : नल सप्लाई के समय बड़ी मोटर लगाकर पानी खींचने वालों पर सख्ती होनी चाहिए। पानी चोरी का मुकदमा करो। हालांकि महापौर ने कहा कि पानी चोरी के मामले में मुकदमा दर्ज करने जैसी कार्रवाई नहीं कर सकते।

विधायक महेंद्र हार्डिया: मैंने विधायक निधि से 400 फीट गहरा ट्यूबवेल कराया गया था, लेकिन जांच में पता चला कि उसमें 250 फीट तक केबल, पाइप, मोटर डालते हैं। यह हर जगह हो रहा है। वास्तविक गहराई के हिसाब से पाइप और मोटर नहीं लगाए गए होंगे। इस पर मंत्री विजयवर्गीय ने हैरानी जताई। निगम ने बोरिंग के रखरखाव पर सालाना करीब 4.50 करोड़ रुपए खर्च होने की जानकारी दी। मुद्दा उठा कि टैंकरों का वितरण असमान है। पार्षद जितने टैंकर मांगते हैं, उनकी जरूरत की जांच हो।

4 एमएलडी पानी बर्बाद

इधर, बायपास पर गुरुवार को ट्रक की टक्कर से नर्मदा की लाइन फूट गई। निगम के अनुमान के मुताबिक, इस घटना में 3 से 4 एमएलडी पानी व्यर्थ बह गया। इससे बायपास क्षेत्र की 8 टंकियों से होने वाली जलापूर्ति पर असर पड़ा है।

लोगों को आदतों में भी बदलाव करना होगा- इंदौर में जल संकट की आहट सुनाई दे रही है। लोगों को आदतों में बदलाव करना होगा। शावर की जगह बाल्टी से स्नान करें। **- कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय प्रशासन मंत्री**

हर वार्ड का मास्टर प्लान बनाया जा रहा है- हर वार्ड का मास्टर प्लान बनाया जा रहा है, ताकि संकट की स्थिति में सभी तक पानी पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री को भी अवगत कराया है। **- पुष्यमित्र भार्गव, महापौर**

न नक्शा मंजूर, न फायर एनओसी: निगम को खबर तक नहीं

151 निजी इमारतें सील कर चुके, बिजली कंपनी ने तान दी सात मंजिला इमारत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में कुछ महीनों से फायर सेफ्टी के नाम पर लगातार दुकानें सील की जा रही हैं। अब तक 151 से ज्यादा इमारतें सील की जा चुकी हैं, लेकिन निगम और प्रशासन की सख्ती सिर्फ निजी बिल्डिंग तक ही सीमित है। पोलोग्राउंड स्थित म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जीपीएच कैम्पस में सात मंजिला रेसिडेंशियल बिल्डिंग लगभग तैयार है। इसके लिए न तो निगम से नक्शा पास कराया गया न निर्माण की अनुमति ली गई है और न ही फायर एनओसी ली गई।

बिजली कंपनी ने इस भवन के निर्माण की मंजूरी 7 मई 2022 को दी थी। चार करोड़ से अधिक की इमारत अब तैयार है। बिल्डिंग का फायर प्लान 2021 में स्वीकृत हुआ, लेकिन नियमानुसार बिजली कंपनी को निर्माण कार्य शुरू करने के पहले प्रोविजनल फायर एनओसी लेना थी। उसका आवेदन तक नहीं किया गया।

फायर एनओसी से सरकारी भवनों को कोई छूट नहीं- पूर्व फायर ऑफिसर रविकांत मिश्रा बताते हैं, नेशनल बिल्डिंग कोड-पार्ट-4 में फायर एनओसी सभी के लिए अनिवार्य है। सात मंजिला बिल्डिंग में आरसीसी का फायर टैंक और अंडरग्राउंड संपवेल होना जरूरी है। फायर एनओसी तभी मिलती है जब बिल्डिंग परमिशन व प्लान के साथ आवेदन किया जाए। इस बिल्डिंग का कोई आवेदन ही नहीं आया।

कागज में सेफ्टी, हकीकत में फायर टैंक नहीं बनाया- बिजली कंपनी के पास इस भवन का फायर प्लान है। 25 फरवरी 2021 के प्लान में 25 हजार लीटर का ओवर हेड वाटर टैंक दिखाया गया है। 7 फायर बॉक्स, 7 हाइड्रेंट वाल्व, टू-वे फायर ब्रिगेड इनलेट जैसे तमाम प्रावधान है। बिजली कंपनी के सिविल अधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। फायर सिस्टम की संख्या तक तय थी, लेकिन हकीकत में छत पर ऐसा कोई टैंक ही नहीं बनाया है।

सवाल सुनते ही दफ्तर में बैठे ईई बोले- बीमार होने से छुट्टी पर हूं- सीजीएम प्रकाश सिंह चौहान से बात की तो वे बोले, जब काम शुरू हुआ होगा तब परमिशन ली गई होगी। मुझसे पहले रिंकेश वैश्य और उनसे पहले संतोष टैगोर सीजीएम के चार्ज में थे। दोनों से बात की, लेकिन उन्हें भी न बिल्डिंग परमिशन की जानकारी थी और न फायर एनओसी के बारे में कुछ बता सके। ईई अजीज बूटवाला से बात की तो वे बोले, मुझे वायरल हो गया है और छुट्टी पर हूं। जबकि वे शाम 6 बजे तक ऑफिस में थे।

एसई डीके वैध ने शुक्रवार को बोला- फाइल में सारी परमिशन होना चाहिए, मैं भोपाल आया हूं। फिर बोले- सोमवार को बताऊंगा। मंगलवार को कहा कि बुधवार दोपहर 12 बजे तक कॉल कर पूरी स्थिति स्पष्ट कर दूंगा और फाइल दिखा दूंगा। लेकिन बुधवार को उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और न कॉल रिसीव किया।



जांच के बाद कार्रवाई करेंगे

बिना बिल्डिंग परमिशन और फायर एनओसी के लिए किसी भी विभाग को बिल्डिंग बनाने की कोई छूट शासन स्तर पर नहीं दी गई है। यह बिल्डिंग कैसे बनी, हम इसकी जांच करवाते हैं और कार्रवाई भी करेंगे।

- क्षितिज सिंघल, निगमायुक्त

लिफ्ट की भी कोई परमिशन नहीं ली गई- इस आवासीय बिल्डिंग में कुल 24 फ्लैट्स हैं, यानी छह मंजिलों पर 4-4 फ्लैट और तल मंजिल पर पार्किंग है। यहां पर लिफ्ट भी लगी है लेकिन इसकी भी अनुमति विभाग ने नहीं ली। दूसरी तरफ छत पर फ्लैट्स में पानी सप्लाय के लिए 1000-1000 लीटर की पीवीसी टंकियां ही रखी हुई हैं। इतना ही नहीं अंडरग्राउंड संपवेल भी नहीं बनाया गया है।

74 साल पुराना मल्हारगंज थाना जमींदोज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

पश्चिमी इंदौर में 74 साल से संचालित मल्हारगंज थाने का पुराना भवन अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के लिए गुरुवार को जमींदोज कर दिया गया। नगर निगम की गैंग ने बुलडोजर से सुबह इसे तोड़ना शुरू किया और दो घंटे में पूरा भवन मलबे में बदल दिया। यहां वर्षों से छाया दे रहा पेड़ भी काट दिया गया। मल्हारगंज थाना अब जिंसी क्षेत्र में बनी नई बिल्डिंग से संचालित हो रहा है।

छोटा गणपति और मल्हारगंज क्षेत्र में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। छोटा गणपति स्टेशन के लिए कुल 268 पिलरों की पाइलिंग की जाना है। इसके लिए मशीनों से खुदाई और कांक्रीट का काम चल रहा है। मशीनों के तेज शोर और जमीन के कंपन से परेशान रहवासी पहले भी विरोध जता चुके हैं।

तीन महीने पहले कुछ मकान हटाए गए थे- मेट्रो ट्रेन के अंडरग्राउंड ट्रैक के लिए टनल बोरिंग मशीन एयरपोर्ट के पास से 18 मीटर गहरे शाफ्ट से सुरंग बना रही है। सुरंग के साथ यह बड़ा गणपति की ओर बढ़ रही है। सबसे पहले एयरपोर्ट रोड से मल्हारगंज क्षेत्र के अंडरग्राउंड हिस्से को जोड़ा जाएगा। स्टेशन निर्माण के लिए करीब तीन महीने पहले कुछ मकान भी हटाए गए थे। इंदौर मेट्रो के भूमिगत कॉरिडोर निर्माण में दूसरा बड़ा चरण शुरू हो गया है। पहली टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) नर्मदा के बाद अब दूसरी मशीन सरस्वती भी तैयार है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एयरपोर्ट स्थित निर्माण शाफ्ट में टीबीएम सरस्वती की लॉन्चिंग की। प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने के लिए कहा।

एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच सुरंग खोदने के लिए तैनात टीबीएम सरस्वती का वजन लगभग 410 मीट्रिक टन है। इसे पहले ग्राउंड लेवल पर असेंबल किया गया, फिर शाफ्ट में सुरक्षित उतारा गया। सुरंग क्षेत्र के 30 मीटर दायरे में आने वाले भवनों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। जमीन और इमारतों में मामूली बदलाव पकड़ने के लिए सेंसर लगाए गए हैं।

6 महीने में खाद्य सामग्री के 100 सैंपल फेल, 31 हजार किलो सामग्री जब्त की

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के पहले छह महीने में 965 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान लिए गए 834 लीगल नमूनों में से 630 की जांच रिपोर्ट मिली, जिनमें 100 नमूने फेल पाए गए। अब तक जांचे गए लीगल नमूनों में करीब 15.9% अमानक निकले। वहीं, 1212 सर्विलेंस नमूनों में से 727 की जांच हुई और 23 नमूने फेल मिले। 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक की इस कार्रवाई में करीब 31 हजार किलो संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 86 लाख रुपए है। जिला खाद्य एवं सुरक्षा प्रशासन विभाग के मुताबिक छह महीने में नमूने लेने का लक्ष्य 660 था, जबकि 834 नमूने लिए गए। इनमें 630 की जांच पूरी हुई है। शेष 204 नमूनों की रिपोर्ट उपलब्ध आंकड़ों में दर्ज नहीं है। सर्विलेंस नमूनों का लक्ष्य 990 था, जबकि 1212 नमूने लिए गए। इनमें 727 की जांच हुई और 23 नमूने फेल मिले। सर्विलेंस नमूने निगरानी और गुणवत्ता की स्थिति जानने के लिए लिए जाते हैं।

फैमिली कोर्ट का आदेश: आवेदन की तारीख से होगी राशि की गणना, पहले किए गए भुगतान का होगा समायोजन

एसडीएम पति को देना होंगे 20 हजार रुपए हर माह

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर की फैमिली कोर्ट ने एसडीएम राहुल चौहान को पत्नी निर्मला को हर महीने 20 हजार रुपए भरण-पोषण देने का आदेश दिया है।

प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश डॉ. कुलदीप जैन की अदालत ने स्पष्ट किया कि यह राशि 21 अप्रैल 2023 से देय होगी, जिस दिन निर्मला ने भरण-पोषण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आदेश के मुताबिक, राहुल को हर महीने की 10 तारीख तक राशि का भुगतान करना होगा।

इस अवधि में यदि वह किसी अन्य आदेश के तहत भरण-पोषण की रकम पहले ही दे चुके हैं, तो उसका समायोजन किया जाएगा। राहुल चौहान वर्तमान में गरोठ में एसडीएम के पद पर पदस्थ हैं। मामले में पहले अंतरिम भरण-पोषण का आदेश जारी हुआ था। भुगतान नहीं होने पर जुलाई 2026 में करीब 5.56 लाख रुपए की बकाया राशि का मामला कोर्ट के सामने आया और वसूली वारंट जारी करने के निर्देश दिए गए थे। अब भरण-पोषण के आवेदन पर फैसला आया है। बातचीत में राहुल चौहान ने कहा था कि उन्हें फैमिली कोर्ट के इस आदेश की जानकारी नहीं है।

शादी के बाद विवाद, अलग रहने लगीं निर्मला- निर्मला और राहुल चौहान का विवाह 16 दिसंबर 2018 को हुआ था। निर्मला के आरोपों के मुताबिक, शादी के बाद से ही उन्हें दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। 17 जुलाई 2022 को दोनों के बीच विवाद के बाद निर्मला अपनी ससुराल से अलग हो गईं और अपनी मां के साथ रहने लगीं। बाद में उन्होंने पति से भरण-पोषण पाने के लिए अदालत का रुख किया। अप्रैल 2023 में निर्मला ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत इंदौर फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया। इसके बाद 2025 में उन्होंने राहुल चौहान के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की शिकायत भी दर्ज कराई। ये आरोप निर्मला की ओर से लगाए गए हैं; इन्हें भरण-पोषण के आदेश में साबित हुए निष्कर्ष के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए। 4 मई 2026 को फैमिली कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी कर राहुल चौहान को निर्मला को हर महीने 20 हजार रुपए देने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद भुगतान नियमित रूप से नहीं होने का मामला सामने आया। जुलाई 2026 में कोर्ट के समक्ष करीब 5.56 लाख रुपए की बकाया राशि का उल्लेख किया गया।

इंदौर को प्राणवायु देने वाले चोरल के जंगल बचाने के लिए हाई कोर्ट ने जारी किए अंतरिम आदेश

रेलवे ट्रैक के लिए चोरल में 2.5 लाख पेड़ काटने पर हाई कोर्ट की रोक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर को प्राणवायु देने वाले चोरल के जंगल बचाने के लिए हाई कोर्ट ने गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी किए हैं। सिमरोल-चोरल और बड़वाह तक रेलवे ट्रैक के लिए 2.5 लाख से अधिक छोटे-बड़े पेड़ काटने पर रोक लगा दी है। जहां पेड़ काटे जाने हैं, वहां आए दिन बाघ, तेंदुए, चीतल, सांभर, लोमड़ी, मोर, जंगली खरगोश नजर आते रहते हैं। निमाड़ से आने वाली गर्म हवा रोकने में चोरल के जंगल बड़ी भूमिका निभाते हैं। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोकजे, जस्टिस विनय सराफ की डिविजन बेंच ने वन विभाग और रेलवे को नोटिस जारी किए गए हैं। 30 नवंबर को अगली सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता करण बैरागी की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव ने पैरवी की। गुरुवार की सुनवाई के दौरान बताया गया कि इस बार सूखे जैसी स्थिति है। पिछले पांच सालों से इंदौर में गर्मियों में अधिकतम तापमान भी 45 डिग्री को छू रहा है। ऐसे में दो-ढाई लाख पेड़ कटने से शहर भट्टी की तरह तपने लगेगा। मालवा और निमाड़ के तापमान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा। रेलवे ने पहले जो डिजाइन तय की थी,उसमें 40-50 हजार पेड़ ही प्रभावित हो रहे थे। केवल चढ़ाई अधिक होने, सिमरोल से बड़वाह तक जाने में 30-40 मिनट का वक्त अधिक लगने का हवाला देकर डिजाइन बदल दी गई। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या वाकई इतने पेड़ काटे जा रहे हैं? यह चिंताजनक है।

याचिकाकर्ताओं ने मांग की कि इंदौर और मालवा क्षेत्र में वन भूमि के डायवर्जन और बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई (विशेषकर इंदौर-खंडवा रेलवे प्रोजेक्ट और नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स) से जुड़े सभी दस्तावेज अदालत के समक्ष पेश किए जाएं। वानिकी, वन्यजीव, पारिस्थितिकी, पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र समिति बनाई जाए। जस्टिस विनय सराफ ने जबलपुर खंडपीठ में पेड़ों की कटाई को लेकर पूर्व में दिया आदेश चीफ जस्टिस को दिखाया। तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस सराफ की खंडपीठ ने जंगलों की कटाई पर पूरी तरह रोक लगाने के आदेश दिए थे।



याचिकाकर्ता ने कोर्ट में ये दी हैं दलीलें

- इस क्षेत्र में बाघों के 37 पगमार्क और तेंदुओं के 89 पगमार्क दर्ज किए गए हैं, जो इसकी पारिस्थितिक संवेदनशीलता बताते हैं।
- पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से क्षेत्र में भूजल स्तर में गिरावट, बारिश में कमी, जलवायु असंतुलन, तापमान बढ़ना, जैसी समस्याएं हो रही हैं।
- पर्यावरण संतुलन के लिए अहम सलाई के पेड़ भी कम रह गए हैं। ऩमालवा क्षेत्र का लगभग आधा वन कवर पहले ही गायब हो चुका है।
- लगभग 58 स्थानीय पेड़ों की प्रजातियां बेहद दुर्लभ हो चुकी हैं। उनकी संख्या घटकर एक प्रतिशत से भी कम रह गई है।

खबर एक नजर...

मप्र में बिजली कटौती से मंत्री-विधायक परेशान

भोपाल। एमपी में अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा अब गांवों से निकलकर सियासी गलियारों तक पहुंच गया है। मंदसौर, राजगढ़, सीहोर, बड़वानी, धार, झाबुआ, खंडवा, आगर मालवा, नर्मदापुरम और बुरहानपुर समेत एक दर्जन से ज्यादा जिलों में पिछले एक हफ्ते के दौरान किसानों, ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली ग्रिडों का घेराव किया, चक्काजाम लगाया और ज्ञापन सौंपे। कई जगह ग्रामीणों ने रात में बिजली नहीं मिलने की शिकायत की, तो किसानों ने सिंचाई प्रभावित होने की बात कही। भाजपा के विधायक भी मुख्यमंत्री और अधिकारियों को पत्र लिखकर कटौती रोकने की मांग कर रहे हैं। मामला कैबिनेट बैठक में भी उठा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अगली बैठक में समाधान निकालने का आश्वासन दिया। इस बीच ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों को रबी सीजन में किसानों को 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

इंडस्ट्रियल एरिया में अब नहीं बनेंगे रो-हाउस, प्लॉट

भोपाल। राज्य सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में आवासीय परियोजनाओं के विकास और औद्योगिक भूमि के आवंटन के लिए नए नियम तय किए हैं। इनके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में प्लॉट आधारित आवासीय विकास, रो-हाउसिंग, स्वतंत्र आवासीय भूखंड और भूखंडों के उप-विभाजन की अनुमति नहीं होगी। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। हालांकि ये नियम सिर्फ नई परियोजनाओं के लिए होंगे। पहले से चल रही योजनाएं या निर्माण इससे प्रभावित नही होंगे। यहां केवल फ्लैट या बहुमंजिला समूह आवास परियोजनाएं विकसित की जा सकेंगी। इन परियोजनाओं में सिंगल और डबल बेडरूम आवासीय इकाइयों के साथ छात्रावास तथा उनसे जुड़ी सामाजिक सुविधाएं भी बनाई जा सकेंगी। नियम अधिसूचित आवासीय भूमि पर विकसित होने वाली परियोजनाओं के साथ औद्योगिक इकाइयों को आवंटित भूमि पर बनाई जाने वाली कैप्टिव आवासीय सुविधाओं पर भी लागू होंगे। सभी परियोजनाओं के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी। विकास कार्य मास्टर प्लान, विकास योजना, भवन उपविधियों, भूमि आवंटन की शर्तों, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप करने होंगे।

8 हजार कर्ज चुकाने 75 साल की महिला की हत्या

दमोह। दमोह के बिसनाखेड़ी गांव में 75 साल की पार्वती लोधी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में गांव के ही 17 साल के लड़के को पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, उस पर 7 से 8 हजार रुपए का कर्ज था। कर्ज चुकाने के लिए उसने महिला की हत्या कर गहने और नकदी लूट ली। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए चांदी के जेवर और नकदी बरामद की है। महिला के बेटे हरि सिंह ने बताया कि उनकी मां पार्वती बाई मंगलवार रात गांव में लगे देवी पंडाल में पूजा-पाठ करने गई थीं, लेकिन घर नहीं लौटीं। रातभर उनके नहीं आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। बुधवार शाम को परिजन और ग्रामीण पास के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे, जहां महिला का शव बोरी से ढका मिला। गुरुवार सुबह मामले की जानकारी सामने आई। एसपी आनंद कलादगी के मुताबिक, पूछताछ में लड़के ने जुर्म कबूल किया है। पुलिस के अनुसार, उसने महिला के पास पैसे और चांदी के जेवर देखे थे। इसके बाद अंधेरे का फायदा उठाकर धारदार हथियार से उनका गला रेत दिया और जेवर-नकदी लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ा।

सतना-मैहर के 12 मेडिकल ऑफिसरों को शोकॉज नोटिस

सतना। सतना जिले में गर्भसमापन (एमटीपी) सेवाओं में लापरवाही और रिपोर्टिंग में जीरो प्रगति पर स्वास्थ्य विभाग ने सतना-मैहर के 12 मेडिकल ऑफिसरों को शोकॉज नोटिस जारी किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने अप्रैल से अगस्त तक की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया। संबंधित अस्पतालों में तीन तरह की एमटीपी सेवाओं में शून्य उपलब्धि दर्ज की गई है। इन डॉक्टरों को नोटिस मिलने के तीन दिन के अंदर अपना जवाब देना होगा। डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि 12 सप्ताह तक की गर्भावस्था में शल्य विधि से गर्भसमापन, 12 सप्ताह से ज्यादा की गर्भावस्था में एमटीपी और मेडिकल मेथड्स ऑफ एबॉर्शन (एमएमए) सेवाओं में कोई काम नहीं हुआ। संतोषजनक जवाब न मिलने पर आगे की कार्रवाई के लिए मामला वरिष्ठ कार्यालय भेजा जाएगा।

रतलाम में रेलवे फाटक के बीच फंसी थी कार, गेटमैन पर नशे में होने के आरोप

रतलाम। रतलाम के सेजावता-बंजली बायपास मार्ग स्थित रेलवे एलसी गेट संख्या 190 पर गुरुवार रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गेटमैन की लापरवाही और नशे की हालत में होने के कारण ट्रेन ने बंद फाटक के बीच पटरी पर खड़ी एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। ट्रेन की स्पीड धीमी होने के कारण बड़ा हादसा होने से बच गया। गेटमैन नशे में पाया गया।

नगर निगम ने तेज किए प्रयास, अब शहर के हर क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति बनाए रखने की चुनौती

अल्प वर्षा के बीच उज्जैन में पेयजल संकट की आशंका को मिलेगी राहत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन





जिले में अल्प वर्षा के कारण भविष्य में गहराने वाले पेयजल संकट की आशंकाओं के बीच शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। गुरुवार से गंभीर डैम स्थित इंटकवेल और गऊघाट जल शोधन संयंत्र तक मां नर्मदा का जल पहुंचना प्रारंभ हो गया है। नर्मदा जल की उपलब्धता से उज्जैन की पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलने और जल संकट की आशंका को कम करने में मदद मिलेगी। अब नगर निगम प्रशासन के सामने इस जल का प्रभावी प्रबंधन करते हुए शहर के प्रत्येक क्षेत्र में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है।



शहर की बढ़ती आबादी और पेयजल की लगातार बनी रहने वाली आवश्यकता को देखते हुए जल स्रोतों का पर्याप्त होना बेहद जरूरी है। इस वर्ष अल्प वर्षा के चलते जल उपलब्धता को लेकर जो चिंताएं सामने आ रही थीं, उनके बीच नर्मदा जल का गंभीर डैम और गऊघाट प्लांट तक पहुंचना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे स्थानीय जल स्रोतों पर निर्भरता का दबाव कम करने और पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

स्थायी समाधान की दिशा में जरूरी कदम

उज्जैन धार्मिक, पर्यटन और तेजी से विकसित होते शहर के रूप में लगातार विस्तार कर रहा है। ऐसे में पेयजल की मांग को देखते हुए दीर्घकालीन जल प्रबंधन पर भी ध्यान देना जरूरी है। वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने, उपलब्ध जल स्रोतों का संरक्षण करने और जल वितरण व्यवस्था की कमियों को दूर करने से भविष्य में संभावित संकट का सामना करने की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल गंभीर डैम और गऊघाट प्लांट तक नर्मदा जल पहुंचना शहर के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे पेयजल व्यवस्था को सहारा मिलने की उम्मीद है। अब नागरिकों की निगाह इस बात पर रहेगी कि नगर निगम इस उपलब्धता का कितना प्रभावी उपयोग कर पाता है और शहर के प्रत्येक घर तक नियमित, पर्याप्त और निर्बाध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य किस हद तक पूरा होता है।

जल शोधन और वितरण व्यवस्था पर रहेगा जोर

नर्मदा जल के आगमन के साथ ही जल शोधन और वितरण प्रणाली को व्यवस्थित बनाए रखना भी आवश्यक है। नगर निगम प्रशासन द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए तकनीकी और प्रशासनिक प्रयास तेज किए गए हैं, ताकि उपलब्ध जल का समुचित उपयोग हो सके और शहरवासियों को नियमित रूप से पानी मिलता रहे। जल शोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता, पाइपलाइनों की स्थिति और वितरण व्यवस्था की निगरानी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी- नर्मदा जल की उपलब्धता से नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन पेयजल व्यवस्था की सफलता केवल जल स्रोत तक पानी पहुंचने से तय नहीं होगी। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में समान रूप से जल वितरण, पाइपलाइन लीकेज पर नियंत्रण, पानी की बबार्दी रोकने और आवश्यकता के अनुसार आपूर्ति का प्रबंधन भी जरूरी है। किसी क्षेत्र में पर्याप्त पानी और किसी अन्य क्षेत्र में कम दबाव या अनियमित आपूर्ति जैसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए नगर निगम को लगातार निगरानी रखनी होगी।

समस्त जगत की स्वामिनी हैं मां भुवनेश्वरी, दस महाविद्या मे चौथी

महाकाल की नगरी मे विराजित मां भुवनेश्वरी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



प्राचीन पवित्र सप्तपुरियों मे विशेष स्थान रखने वाली अवंतिका नगरी मे मां भुवनेश्वरी का भी मंदिर विद्यमान है। ये मंदिर मंगलनाथ के समीप कमेड मे है जो प्राचीन है। दूसरा मंदिर ,प्रसिद्ध नगरकोट मंदिर के पास फाजलपुरा मे है। नवरात्रि के नौ दिवस श्रद्धालु जगज्जननी मां भुवनेश्वरी के दर्शन पाकर स्वयं को कृतार्थ महसूस करते हैं। आदिशक्ति का चतुर्थ रूप है मां भुवनेश्वरी अथार्त समस्त ब्रह्मांड की स्वामिनी। प्रकृति की देवी भी माता भुवनेश्वरी को ही माना जाता है। श्रीमददेवीभागवतपुराण मे वर्णन है कि एक बार तीनो देव ब्रह्मा , विष्णु व महेश माता के दर्शन हेतु मणीद्विप पहुंचे जहां देवी भुवनेश्वरी का वास है। वहां तीनो देवों ने आदिशक्ति की आराधना की जिससे मां का भुवनेश्वरी रूप प्रकट हुआ और उन्होने प्रजा के जन्म , पालन व संहार का गूढ ज्ञान त्रिदेव को दिया अतः भुवनेश्वरी समस्त जगत की देवी हैं।



ऐश्वर्य ,सुख ,शांति व कल्याण की देवी

माता भुवनेश्वरी समस्त जगत की देवी हैं अतः वे पृथ्वी के समस्त जीवों की स्वामिनी हैं। मां भुवनेश्वरी की आराधना से समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। वे धन ऐश्वर्य व समृद्धि और सबसे महत्वपूर्ण चित्त की शांति प्रदान करती हैं। मानसिक तनाव से जूझ रहे लोग माता भुवनेश्वरी को प्रसन्न करके मानसिक शांति प्राप्त करते हैं। मां भुवनेश्वरी के प्रसिद्ध मंदिर सांगुड उत्तराखंड, असम के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर के समीप व हरियाणा मे सोहना के समीप हैं। हमारे शहर मे कमेड स्थित भुवनेश्वरी मंदिर प्राचीन माना जाता है। लोकमान्यता है कि सम्राट विक्रमादित्य माता भुवनेश्वरी के साधक थे और मां की कृपा से वे दीर्घकाल तक सफलतापूर्वक शासन करते रहे।

सौम्य रूप है मां भुवनेश्वरी का

माता का स्वरूप बहुत ही सौम्य है। वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं और चार भुजाओं मे क्रमशः पाश, अंकुश , वर व अभयमुद्रा धारणा किए हैं। पाश का अर्थ है मोहजाल से मुक्ति देनेवाली और अंकुश से अर्थ है समस्त विकृतियों पर संयम रखना। वर देती हुई मां अपने पुत्र पुत्रियों का कल्याण ही चाहती हैं। सूर्य के समान दैदिप्यमान उनका मुख ,वात्सल्यमयी मां के समान आशीष देता हुआ ही है।

आकाशवाणी उज्जैन ने रचा विश्व कीर्तिमान

वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड लन्दन में महाकाल सवारी का प्रसारण दर्ज



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आकाशवाणी उज्जैन द्वारा 7 सितंबर 2026 को श्री महाकालेश्वर की राजशाही सवारी का निरंतर 8 घंटे सजीव प्रसारण को लन्दन वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। गुरुवार को एक सादे समारोह में श्री महाकालेश्वर राजशाही सवारी के प्रसारण में भागीदारी करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा थे।

अपने उद्बोधन में राकेश गुप्ता ने कहा कि मेरी और पुलिस विभाग की ओर से आकाशवाणी उज्जैन के प्रसारण कताओं को बधाई। आप लोगों ने 8 घंटे तक लाखों की भीड़ के बीच दुष्कर कार्य आकाशवाणी के लिए किया है। आकाशवाणी हमारे जीवन का अंग रही है। 1982 के एशियाड से पहले आकाशवाणी को चाव से सुना जाता था। आकाशवाणी द्वारा खेलों का आंखों देखा हाल पूरे भारत में सुना जाता था। आकाशवाणी वहां पहुंचता है, जहां कोई माध्यम नहीं पहुंचता है। उज्जैन आकाशवाणी केंद्र आगे और भी रिकॉर्ड बनाएं ऐसी कामना करता हूं। आकाशवाणी के ब्रह्म प्रकाश चतुवेर्दी ने बताया कि श्री महाकालेश्वर राजशाही सवारी का हमने दोपहर 2:00 बजे से रात 10:00 बजे तक भीड़ में सड़क पर रहकर निरंतर 10 घंटे प्रसारण किया।

हमारे प्रसारण को मप्र में आकाशवाणी के 19 केंद्रों ने प्रसारित किया। करोड़ों लोगों ने उज्जैन से दूर रहकर श्रीमहाकालेश्वर की राजशाही सवारी के प्रसारण को सुना। विविध भारती के इंदौर, जबलपुर और भोपाल केंद्रों ने भी इसका सीधा प्रसारण किया।



कार्यक्रम में वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड लन्दन की प्रतिनिधि सुश्री शुचिता शुक्ला एवं सुश्री अपूर्वा मेनन ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी इंदौर की उद्घोषक सुधा शर्मा ने किया। आभार आकाशवाणी उज्जैन की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अनामिका चक्रवर्ती ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्रह्म प्रकाश चतुवेर्दी,अनामिका चक्रवर्ती ,सौरभ अवस्थी, अखिलेश बाथम, मुकाम सिंह चौहान, विद्याधर मूले,उदित तिवारी, सुधा शर्मा, पंकज पंडित, मुनेश कुमार ,आनंद पूरंदरे ,आशुतोष भगत, मनोज नाहर ,द्वारकाधीश चौधरी, शैलेंद्र पाराशर, विजया जैन, गौतम मालवीय ,कुबेर मेहरा, महिमा छाबड़ा, मोहित वर्मा, यशवंत बागवान, कृष्णा पंडित, रश्मि बजाज, नीतू जरिया और विनय को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

फूड एंड हेल्थ में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम पूर्ण कर बढ़ाया उज्जैन का गौरव...

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



उज्जैन की प्रतिभाशाली छात्रा चार्वी मरमट ने इटली की प्रतिष्ठित पडोवा यूनिवर्सिटी से फूड एंड हेल्थ विषय में द्विवर्षीय पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण कर स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से परिवारजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

चार्वी, उज्जैन के जिला चिकित्सालय में पदस्थ अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. महेश मरमट की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा की यात्रा में इससे पूर्व हंगरी सरकार की प्रतिष्ठित स्टाइपेंडियम हंगेरिकम स्कॉलरशिप के लिए चयनित होकर हंगरी की डेब्रीसन यूनिवर्सिटी से लाइफ साइंसेस विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी। इसके पश्चात इटली में उच्च शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा है।

चार्वी की रुचि फूड एंड हेल्थ के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान कार्य करने में है। वे संबंधित विषय में आगे शोध कर अपने ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग देश एवं समाज की सेवा में करना चाहती हैं। चार्वी की इस उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और शोध के क्षेत्र में सफलता की कामना की है।

ग्वालियर-शिवपुरी समेत 5 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) सक्रिय है। इस वजह से अगले 4 दिन तक ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, सागर और रीवा संभाग में मौसम बदला रहेगा। शुक्रवार को ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना और शिवपुरी में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

मौसम केंद्र के मुताबिक, 15 अक्टूबर को अधिकृत रूप से पूरे देश से मानसून लौट गया है, लेकिन अभी भी कई सिस्टम एक्टिव है। जिसकी वजह से बारिश का दौर है। एमपी से एक ट्रफ गुजर रही है। वहीं, उत्तरी हिस्से में दो सिस्टम एक्टिव है। इनकी वजह से प्रदेश में मौसम बदलने का अनुमान है। शुक्रवार को पांच जिलों में मौसम बदला रहेगा। वहीं, 17 अक्टूबर को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, आगर-मालवा, राजगढ़, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बारिश होने का अनुमान है। 18 और 19 अक्टूबर को भी यहां पर बारिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड और शिवपुरी में हल्की बारिश, बादल और आंधी वाला मौसम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 20 अक्टूबर के बाद रात में ठंड का असर बढ़ जाएगा। इससे पहले कई शहरों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री से नीचे चल रहा है।

पाकिस्तान मे भी रामलीला का मंचन उतने ही उत्साह व उमंग के साथ होता है जितना की भारत मे होता

पाकिस्तान मे रामलीला की गूंजः नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति से परिचित कराने की कोशिश

रामलीला को देखने कराची का पूरा हिन्दू समुदाय मंदिर परिसर मे उमड़ पड़ता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन (पं राहुल शुक्ल)





आप इस बात से आश्चर्य चकित हो सकते हैं कि हमारे पडोसी देश पाकिस्तान मे भी रामलीला का मंचन उतने ही उत्साह व उमंग के साथ होता है जितना कि भारत मे होता है ये कोई नई घटना नहीं है। पाकिस्तान के कराची शहर के स्वामीनारायण मंदिर मे दशकों से नवरात्री के अवसर पर नौ दिवस तक रामलीला का आयोजन होता है। रामलीला को देखने कराची का पूरा हिन्दू समुदाय मंदिर परिसर मे उमड पडता है।

कराची के एम ए जिन्ना रोड पर स्थित भगवान स्वामीनारायण मंदिर पुरातन सनातन वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। इसके अंदर विशाल परिसर है जहां विभाजन के पूर्व से ही विभिन्न त्योहारों पर स्थानीय हिन्दू एकत्र होकर सामूहिकरूप से पर्वों का आनंद लेते रहे। विभाजन के समय सन 1947 में मंदिर की मूल प्रतिमाएं भारत के राजस्थान स्थित खानपुर गांव स्थानांतरित कर दी गई बाद मे मंदिर मे नई मूर्तियां प्रतिष्ठित की गईं।

नौ दिवस तक रामलीला व गरबा की धूम

कराची का स्वामीनारायण मंदिर ,शहर की हिन्दू बस्ती नारायणपुर के समीप होने से त्योहारों के दौरान रौनक से आलोकित रहता है। कराची व आसपास के शहर से हिन्दू लोग यहां एकत्र होते हैं और सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों का लुत्फ उठाते हैं। नवरात्रि के प्रथम दिवस से नवमी तिथि तक प्रतिदिन गरबा का आयोजन होता है साथ ही रामलीला का सुन्दर मंचन भी स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जाता है।

नवरात्रि मे मुस्लिम भी आते हैं मंदिर मे- आम धारणा होती है कि इस्लामी देश मे कट्टरपंथी लोग ही होते हैं किन्तु ये धारणा पूरी तरह गलत साबित होती है स्वामीनारायण मंदिर की नवरात्री के दौरान। नवरात्री की रामलीला को देखने मुस्लिम भी पूरे उत्साह के साथ आते हैं और रामायण के संवादों को सुनकर हिन्दू दर्शन को समझने का प्रयास करते हैं।

उर्दू मिश्रित हिन्दी के संवाद

विभाजन से पूर्व अखंड भारत के उत्तरी क्षेत्र पंजाब, हरियाणा उत्तरप्रदेश आदि मे उर्दू का बडा प्रभाव रहा जो हमारी साझा विरासत है। पाकिस्तान मे उर्दू के साथ पंजाबी व सिंधी भाषा का प्रचलन आज भी देखने को मिलता है। स्वामीनारायण मंदिर मे दशको से नारायण सेवा गरबा मंडल तथा पाकिस्तान हिन्दू सेवा वेलफेयर ट्रस्ट जो रामलीला आयोजित करती आ रही है उसमे स्थानीय भाषा का पुट भी होता है। रामायण के पात्र ,रामलीला मे उर्दू मिश्रित डायलाग बोलते हैं जिससे आमजन आसानी से समझ लेते हैं। रामलीला मे विगत चार वर्ष से भगवान राम का रोल अदा कर रहे विजयरतन का कहना है कि पाकिस्तान मे निवासरत हिन्दू अल्पसंख्यकों की नई पीढी को अपनी संस्कृति व धर्म से परिचित कराने मे रामलीला बहुत ही महत्वपूर्ण साबित हो रही है। भगवान राम के चरित्र को समझकर बच्चे उसे अंगीकार करते हैं तो एक आदर्श समाज सृजित हो सकता है।

'रामायण' का दूसरा ट्रेलर रिलीज, रावण-इंद्र और जटायु युद्ध के सीन दिखाए

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायण' का दूसरा ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 2 मिनट 36 सेकेंड के इस ट्रेलर में पहले ट्रेलर के मुकाबले श्रृ और किरदारों के कॉस्टयूम में सुधार किया गया है।

ट्रेलर में भगवान राम (रणबीर कपूर) और रावण (यश) के बीच धर्म और अधर्म के युद्ध को केंद्र में रखा गया है। ट्रेलर की शुरूआत एक वॉयसओवर से होती है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे अंधेरे की गहराइयों से रावण का उदय होता है।

दुनिया भर में 5 नवंबर को रिलीज होने जा रही इस फिल्म का अंतरराष्ट्रीय नाम 'रामायणः द राइज ऑफ ए लीजेंड' रखा गया है। सीता स्वयंवर से लेकर जटायु और दानवी सेना के युद्ध दृश्य ट्रेलर में केवल राम और रावण के किरदारों का टकराव ही नहीं, बल्कि रामायण के कई महत्वपूर्ण प्रसंगों की झलकियां भी देखने को मिलती हैं। अभिनेत्री साई पल्लवी माता सीता के रूप में दीए जलाते और प्रार्थना करते दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा भगवान राम के शिव धनुष उठाने के क्षण, भव्य महल, राक्षसों की सेना और आकाश में उड़ते जटायु के युद्ध दृश्यों को वीएफएक्स की मदद से दिखाया गया है। ट्रेलर के अंत में रावण पर हुए भालों के वार को खुद अपने हाथों से खींचकर फेंकते हुए उसकी शक्ति को दशार्या गया है।

लॉन्च से पहले नमित मल्होत्रा का भावुक पोस्ट

फिल्म के मेकर नमित मल्होत्रा ने एक्स पर एक नोट शेयर किया, जिस पर उनके साथ निर्देशक नितेश तिवारी और यश के भी दस्तखत हैं। नमित ने लिखा कि जब उन्होंने 'रामायण' बनाने की शुरूआत की थी, तब उनका सपना भारत की इस महान गाथा को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि सोनी पिक्चर्स के ग्लोबल कैंपेन के जरिए दुनिया भर के दर्शक पहली बार इस कहानी को इतने बड़े पैमाने पर देखेंगे। उन्होंने इसे देश के लिए गर्व का पल बताते हुए लिखा- 'हमारी सच्चाई, हमारा इतिहास, भारत से दुनिया तक, जय श्री राम'।

बेटी ही होगी...मैं उसका नाम हेमा मालिनी रखूंगी

आज से 78 साल पहले तमिलनाडु के अम्मानकुड़ी में जया लक्ष्मी प्रसव के आखिरी चरण में थीं। दो बेटे पहले से थे, तो तीसरे बच्चे के जन्म से पहले ही उन्होंने पति वी.एस.आर.चक्रवर्ती से कहा- देखना, बेटी ही होगी। मैं उसका नाम हेमा मालिनी रखूंगी, जो बड़ी होकर क्लासिकल डांसर बनेगी। जया लक्ष्मी की कही बात सच साबित हुई, अस्पताल में किलकारी गूंजी, बेटी हुई थी। नाम रखा गया हेमा मालिनी, जिसे आज पूरा देश ड्रीम गर्ल के नाम से भी जानता है।

मां के फैसले के अनुसार, हेमा मालिनी पहले क्लासिकल डांसर बनीं और फिर हीरोइन, लेकिन यही स्टारडम वजह रहा कि उन्होंने अपने पिता को खो दिया। वजह रही एक पाकिस्तानी फैन का घर में घुसना और फिर किचन नाइफ से दहशत फैलाना। हेमा मालिनी ने होश संभाला ही था कि मां ने उनका दाखिला क्लासिकल डांसिंग में करवा दिया। खेल-कूद की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। स्कूल से लौटते ही हेमा कभी डांस क्लास, तो कभी सिंगिंग क्लास जातीं। कोई टीचर सिखाने में कोताही बरतता, तो मां तुरंत क्लासेस बदल देतीं।

कुछ सालों बाद परिवार दिल्ली आकर बसा। क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग यहां भी जारी रही। हर आम बच्चे की तरह हेमा भी दिनभर खेलना चाहती थीं, लेकिन मां ने कुछ अलग सोच रखा था। वो हेमा के बालों में तेल डालकर चोटी बनातीं, बालों में फूल लगातीं, आंखों में काजल। टिपिकल मद्रासी लड़की की तरह घाघरा चोली पहनातीं। मां उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनना और हाव-भाव की सीख देतीं।

जब इस तरह वो कभी दिल्ली की सड़कों पर निकलतीं, तो आसपास से गुजरने वाले लोग उनका मजाक उड़ाते। हेमा इससे नाराज होतीं, तो मां कहतीं- ह्यवह तुम्हें साउथ इंडियन कहते हैं, तो इसमें हर्ज क्या है, तुम साउथ इंडियन ही हो। कुछ साल बीते ही थे कि क्लासिकल डांस ट्रेनिंग सही ढंग से न मिल पाने के डर से जया लक्ष्मी ने पति से साफ कह दिया कि वह अपना ट्रांसफर मद्रास करवा लें। परिवार मद्रास आ गया। जल्द ही हेमा स्टेज शोज करने लगीं।

एक ऐसे ही स्टेज शो में 13 साल की हेमा पर तमिल डायरेक्टर सीवी श्रीधर की नजर पड़ी। उन्होंने झट से हेमा को अगली फिल्म में कास्ट कर लिया। शूटिंग शुरू हुई। हेमा बड़े उत्साह के साथ 2 दिनों तक शूटिंग के सेट पर गईं। डायरेक्टर उनके नाम से नाखुश थे। सुझाव मिला कि नाम हेमा मालिनी की जगह सुजाता रख लिया जाए।

फिर तीसरे दिन उन्हें ये कहकर फिल्म से निकाल दिया गया कि तुम बहुत दुबली-पतली हो, कभी हीरोइन नहीं बन पाओगी।

13 साल की बच्ची के लिए ये रिजेक्शन काफी भावुक रहा। मां ने तब मनोबल बढ़ाते हुए कहा- ये बस एक चैलेंज है, जिसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। हेमा फिर मंच पर लौट गईं।

कुछ समय बाद 1963 की फिल्म इंदु साथियम में हेमा मालिनी को एक गाने में डांस करने का मौका मिला। इसके बाद उन्हें कई तमिल फिल्मों में छोटे रोल दिए जाने लगे। साउथ फिल्ममेकर, प्रोड्यूसर बी. अनंत स्वामी ने हेमा के लिए नए रास्ते बनाए। वो उन्हें फिल्ममेकर्स से मिलवाते और उन्हें रोल दिलवाते।

बी.अनंत स्वामी हिंदी फिल्में भी प्रोड्यूस करते थे। 60 के दशक के आखिर में उन्होंने राज कपूर को लेकर फिल्म शुरू की, नाम था सपनों का सौदागर, डायरेक्टर थे महेश कौल और हीरो थे राज कपूर। अनंत स्वामी ने इस फिल्म के लिए महेश कौल को हेमा मालिनी का नाम सुझाया।



इमरान खान को छोड़ना होगा भारतःअक्षय कुमार, अदनान सामी की नागरिकता पर भी हुआ विवाद



एक्टर इमरान खान के खिलाफ भारतीय नागरिकता न होने के बावजूद प्रोटेस्ट में शामिल होने पर शिकायत दर्ज हुई है। मुंबई पुलिस ने उन पर कार्रवाई करते हुए 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। ये इस तरह का इकलौता मामला नहीं है।

इससे पहले अक्षय कुमार, अदनान सामी, दिलजीत दोसांझ जैसे कई सेलेब्स की नागरिकता विवादों में रही है। कुछ ने विदेशों के बाद भारतीय नागरिकता ली, तो कुछ ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। इनके अलावा आलिया भट्ट, कटरीना कैफ जैसे कुछ सेलेब्स ऐसे भी हैं, जो सालों से भारत में काम कर रहे हैं, लेकिन उनके पास भारतीय नागरिकता नहीं है। कन्नड़ अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता चेतन कुमार अहिंसा, जिन्हें चेतन कुमार के नाम से भी जाना जाता है, 2023 में अपने डउक कार्ड को लेकर विवादों में आए थे। चेतन अमेरिकी नागरिक हैं और डउक कार्ड की मदद से लंबे समय से कर्नाटक में रहकर फिल्मों और सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे थे।

सलमान को शूटिंग के दौरान सिर में चोट लगी

सलमान खान ने बुधवार को शो ह्याकॉफी विद करण 9 में बताया कि फिल्म सुल्तान की शूटिंग के दौरान उनके सिर में चोट आई थी।

एक्टर ने बताया कि उन्हें हार्निया की तकलीफ हुई और उनका एक कंधा भी चोटिल हो गया था। इसके अलावा, उनके घुटने और पीठ में भी चोटें आई थीं। एक्टर ने ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया और ब्रेन एन्यूरिज्म का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन परेशानियों के बावजूद वह अपनी हालत को फिट न रहने का बहाना नहीं मानते। इससे पहले, जून 2025 में ह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शोह्न में सलमान ने बताया था कि उन्हें अश मालफॉर्मेशन की समस्या है।

2011 में अमेरिका में सर्जरी हुई थी

सलमान काफी समय तक ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया नाम की एक गंभीर बीमारी से जूझ चुके हैं।



ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया चेहरे की नस से जुड़ी एक ऐसी समस्या है, जिसमें अचानक बहुत तेज दर्द हो सकता है। यह दर्द चेहरे के एक तरफ, गाल, जबड़े या आंख के आसपास महसूस हो सकता है।

कई बार चेहरे को छूने, दांत साफ करने, खाना चबाने या बोलने से भी दर्द शुरू हो जाता है। कुछ लोगों को ऐसा लगता है, जैसे चेहरे पर बिजली का झटका लगा हो। दर्द कुछ सेकंड से लेकर कुछ मिनट तक रह सकता है। हालांकि, हर मरीज में इसके लक्षण एक जैसे नहीं होते।

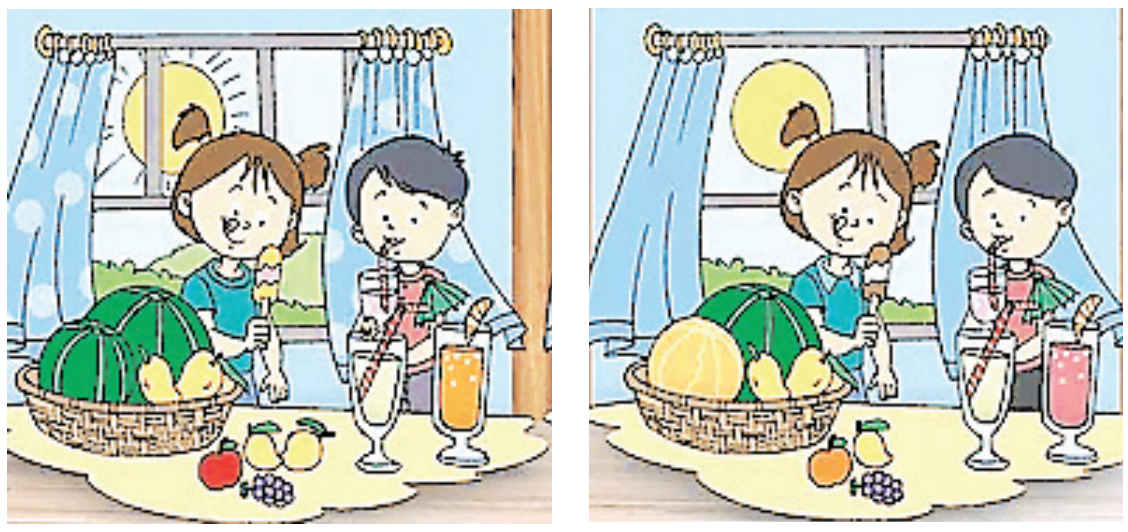
सलमान को 2007 में चेहरे के एक तरफ दर्द महसूस हुआ था। बाद में यह परेशानी फिर सामने आई। साल 2011 में उन्होंने अमेरिका में इस बीमारी के इलाज के लिए सर्जरी कराई थी।

सलमान ने सितंबर 2025 में शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में बताया था कि वे ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के दर्द से लगभग साढ़े सात साल तक जूझते रहे। उन्होंने कहा कि उस दौरान दर्द से उनकी हालत बहुत खराब हो जाती थी।

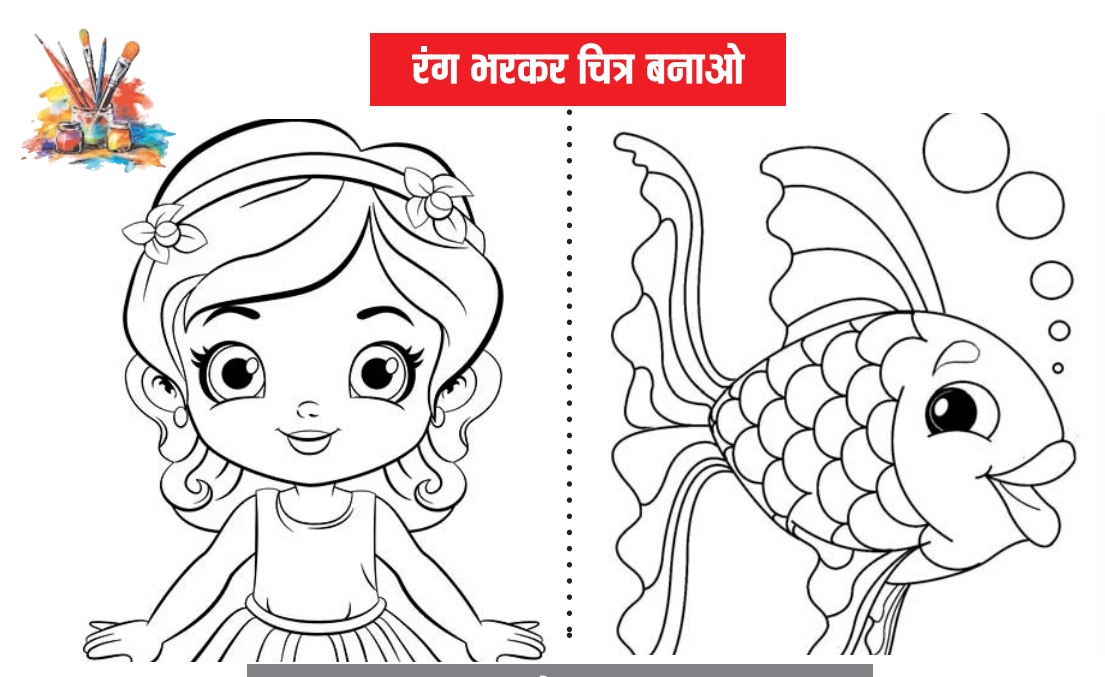
उन्होंने बताया था कि हर 4-5 मिनट में दर्द का दौरा पड़ता था। नाश्ता करने में उन्हें करीब डेढ़ घंटा लग जाता था और फिर वे सीधे रात का खाना खाते थे। एक साधारण ऑमलेट खाने में भी बहुत समय लगता था, क्योंकि दर्द के कारण खाना मुश्किल हो जाता था। दर्द निवारक दवाइयां भी कोई खास राहत नहीं देती थीं।

शुरूआत में डॉक्टरों को लगा कि समस्या उनके दांतों में है, लेकिन बाद में पता चला कि यह नसों से जुड़ी बीमारी है। सलमान ने बताया कि उन्हें पहली बार यह दर्द 2007 में फिल्म 'पार्टनर' की शूटिंग के दौरान महसूस हुआ था। उस समय लारा दत्ता ने उनके चेहरे से बालों की एक लट हटाई थी। सलमान ने मजाक में कहा था, मैंने कहा, 'वाह लारा, कितना इलेक्ट्रिफाइंग!' और वहीं से यह सब शुरू हुआ।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ

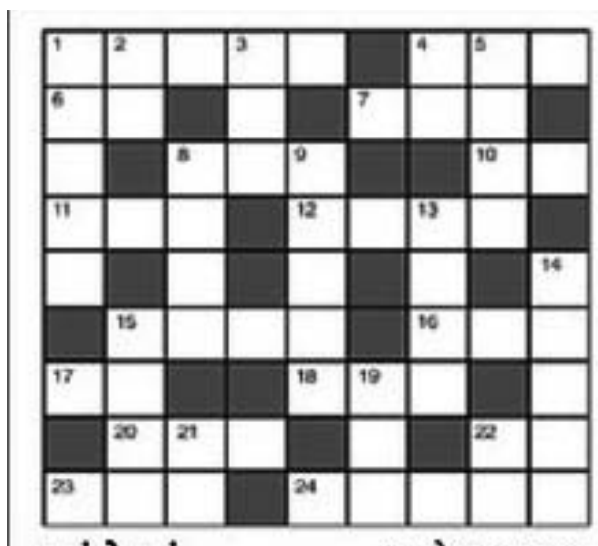


जोक्स

टीचरः संजू, बताओ इतिहास किसे कहते हैं?
संजूः सर, जब पुराने जमाने के लोग
कांड करके मर जाते थे और
हमें अब उन्हें याद करना पड़ता है,
उसी को इतिहास कहते हैं।
टीचरः चुप कर! गधे कहीं के।

ये दोस्त हर खुशी
तेरी तरफ मोड़ दूं।
तेरे लिए चांद तारे तक तोड़ दूं।
खुशियों के दरवाजे तेरे लिए खोल दूं।
इतना काफी है या
दो-चार झूठ और बोल दूं। ??

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होगा-3
6. गोंद, लासा-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण (उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिती, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2, 3
13. विदीर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

माथा पच्ची

49		5		32		24	=	52
20		59		90		90	=	79
50		2		5		1	=	20
60		25		36		95	=	26
=		=		=		=		=
19		37		81		19	=	85/119

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
म	छ	क	ज	ई	छे	भे	ह	क	म	म
र्व	ना	आ	द	म	न	इ	क	भै	प	ज
टी	क	ल	म	ज	ल	स	त	अ	इ	य
औ	से	स	र	क्ष	र	क	र	ल	से	ज
र	जे	कि	र	क	द	क्ष	म	कै	रि	ग
ब	मा	दे	श	ब	था	रा	त	दा	क	दी
व	टे	ल	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	द्रि	ल	र	से	दा	र	जा	क	वी	दे
त्रि	ज	ति	त	हि	द	ह	म	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	ष	ल	ग	या	मा	र	म

शब्दजाल में अभिषेक बच्चन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरकार, बंटी और बबली, ओम जय जगदीश, शरारत, दस, कभी अलवीदा न कहना, रन, हम तुम, कुछ ना कहो, तेरा जादु चल गया

अष्टयोग

1	3			5	2	
	32		40		28	7
4		7		6		
	35		37		32	6
7			2	3		1
2	30	1	28	4	29	
6			7		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

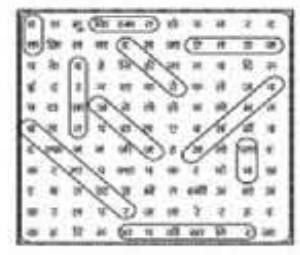
माथा पच्ची का हल

130	÷	5	-	3	+	5	=	28
-		x		+		x		+
65	+	5	÷	2	+	5	=	40
-		+		+		-		-
50	-	25	+	10	-	20	=	15
+		+		-		+		-
15	x	2	x	2	-	25	=	35
=		=		=		=		=
30	-	25	+	13	+	30	=	85/119

अष्टयोग का हल

2	4	7	5	3	6	1
6	38	6	32	1	30	7
7	5	1	3	6	4	2
1	25	2	32	4	34	5
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

शब्दजाल का हल



सूडोकू नवताल

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

यूरोप ने रूस से 30 लाख करोड़ का तेल-गैस खरीदा, इस साल भी इम्पोर्ट जारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

रूस से तेल खरीदने पर भारत पर दबाव बनाने वाला यूरोप खुद भी उससे बड़े पैमाने पर तेल-गैस खरीद रहा है। 2022 से अब तक यूरोपीय देशों ने रूस से करीब 30 लाख करोड़ रुपए का ईंधन खरीदा है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ ने जुलाई 2025 में गुजरात स्थित नायरा एनर्जी की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट की हिस्सेदारी रही है। 2026 के शुरूआती नौ महीनों में भी करीब 2.03 लाख करोड़ रुपए की खरीद हुई। रूस के मुताबिक, जिन रास्तों से रूसी ऊर्जा खरीदने की छूट है, उनके जरिए यूरोप को तेल और गैस की सप्लाई जारी है।



रूस से ईंधन छूट के नियम अलग-अलग

यूरोप के सभी देशों की स्थिति एक जैसी नहीं है। हंगरी और स्लोवाकिया को रूस से पाइपलाइन के जरिए तेल खरीदने की विशेष छूट मिली हुई है। कई यूरोपीय कंपनियों के रूस के साथ पहले से कई ऊर्जा समझौते हैं। अमेरिका ने भी कुछ हालात में रूसी ईंधन खरीदने के लिए अस्थायी छूट दी है। वहीं, भारत की रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिकी प्रशासन अतिरिक्त आयात शुल्क लगा चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि भारत पर दबाव और यूरोपीय देशों को मिली छूट के नियम अलग-अलग क्यों हैं। उसुर्ला वॉन डेर लेयेन ने 23 सितंबर 2025 को कहा था कि यूरोप साल के अंत तक रूस से तेल खरीद बंद करना चाहता है।

तेल-गैस महंगी हो सकती है

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप में गैस और बिजली की कीमतें बढ़ी थीं। रिपोर्ट में गैस की कीमतों में 46% और बिजली की कीमतों में 21% तक बढ़ोतरी का दावा किया गया है। रूस से सप्लाई पूरी तरह बंद होने पर कीमतें फिर बढ़ सकती हैं। इससे आम लोगों के बिल और कंपनियों की लागत बढ़ने का डर है।

2026 में भी रूस से गैस खरीद बढ़ी

यूरोपीय संघ की ऊर्जा नियामक एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई 2026 के बीच यूरोप में रूस से पाइपलाइन के जरिए आने वाली गैस की खरीद पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 7% बढ़ी। रूस से तरल प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की खरीद भी 11% बढ़ी। इससे पता चलता है कि प्रतिबंधों के बावजूद यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

दूसरे देशों से गैस खरीदना भी आसान नहीं

यूरोप अमेरिका और दूसरे देशों से भी गैस खरीदता है। लेकिन दूसरे देशों से गैस मंगाने के लिए अलग इंतजाम और खर्च की जरूरत होती है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भी ऊर्जा सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है। ऐसे में रूस से खरीद तुरंत बंद करना यूरोप के लिए आसान नहीं है।

यूरोपीय कंपनियों ने रूस के साथ लंबे समय के लिए गैस खरीदने के समझौते कर रखे हैं। यूरोप की ऊर्जा नियामक एजेंसी के मुताबिक, रूसी एलएनजी खरीदने के लिए कुछ कंपनियों के सालाना 20 से 32 अरब घनमीटर तक के अनुबंध हैं। इन समझौतों और दूसरी जगह से गैस लाने के इंतजाम में समय लगने के कारण आयात बंद करना मुश्किल है।

रूस की एलएनजी का सबसे बड़ा खरीदार ईयू है

ऊर्जा पर नजर रखने वाली संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के मुताबिक, दिसंबर 2022 से अगस्त 2026 के बीच रूस से होने वाले एलएनजी निर्यात में यूरोपीय संघ (एव) की हिस्सेदारी 49% थी। चीन की हिस्सेदारी 24% रही। पाइपलाइन के जरिए भेजी जाने वाली रूसी गैस में भी यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 32% थी। चीन की हिस्सेदारी 31% और तुर्किये की 29% रही। यानी रूस से गैस खरीदने में यूरोप अब भी अहम भूमिका निभा रहा है।

यूरोप में युवाओं पर बुजुर्ग भारी पड़ रहे

पेंशन पर सरकारी खजाना खर्च; जेन-जी नौकरी, अच्छी शिक्षा मांग रहे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

पिछले कुछ सालों में जेन-जी यानी युवा पीढ़ी एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। बांग्लादेश, नेपाल, पेरू और मेडागास्कर में युवाओं के प्रदर्शनों ने सरकारें गिरा दीं। भारत में भी कई प्रदर्शनों में युवाओं की अहम भूमिका रही है।

अब यूरोप में भी युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की बदहाली, स्पेन में बेरोजगारी और ब्रिटेन में पेंशन नीतियों को लेकर नाराजगी है। युवाओं के लिए नौकरी पाना, अच्छी शिक्षा हासिल करना और सस्ता घर खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। यूरोप में इस मुश्किल ने युवाओं और बुजुर्गों के बीच आर्थिक और राजनीतिक टकराव बढ़ा दिया है। बुजुर्गों की आबादी बढ़ने के साथ राजनीति में उनका प्रभाव भी मजबूत हुआ है। वहीं, युवाओं की संख्या घट रही है। ऐसे में उनके लिए अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाना और मुश्किल हो रहा है।

फ्रांस में युवाओं के सामने नौकरी की कमी है। बेरोजगारी 20% पहुंच चुकी है। इस साल दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की ग्रोथ शून्य रही। दूसरी तरफ, सरकार के कुल खर्च का करीब 25% पेंशन पर जाता है। यानी बजट का बड़ा हिस्सा बुजुर्गों की पेंशन में खर्च हो रहा है। कुछ साल पहले राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 साल करने का फैसला किया था। इसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुए और सरकार को फैसला निलंबित करना पड़ा। अब पक्ष हो या विपक्ष कोई भी पेंशन में कटौती को लेकर चर्चा भी नहीं करता।

युवा चाहते हैं कि स्कूलों की हालत सुधरे और शिक्षा पर ज्यादा पैसा खर्च हो। वामपंथी नेताओं का तर्क है कि पेंशन बचाते हुए शिक्षा का बजट भी बढ़ाया जा सकता है।

लेकिन सवाल है कि पैसा आएगा कहां से? फ्रांस पर पहले से भारी कर्ज है, और अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने से भी सरकार को खास कमाई नहीं हुई है। ऐसे में दोनों वर्गों की मांगें पूरी करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

फ्रांस के पेरिस में बेहतर स्कूल सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन करते छात्र। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। तस्वीर 13 अक्टूबर 2026 की है। फ्रांस के पेरिस में बेहतर स्कूल सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन करते छात्र। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। तस्वीर 13 अक्टूबर 2026 की है। स्पेन में भी यही समस्या दिख रही है। वहां घरों की कमी और बढ़ते किराए को लेकर हाल में प्रदर्शन हुए। स्पेन में युवाओं की बेरोजगारी 22% से ज्यादा है और घरों की कीमतें वेतन के मुकाबले कहीं तेजी से बढ़ी हैं।

नतीजा यह है कि कई युवा 30 साल की उम्र पार करने के बाद भी माता-पिता के साथ रहने को मजबूर हैं। जो अलग रहते हैं, उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा किराए में चला जाता है। ऐसे में बचत करना और अपना घर खरीदना मुश्किल है।



ब्रिटेन में पेंशन पर खर्च को लेकर बहस

दूसरी ओर, जिन बुजुर्गों के पास पहले से घर हैं, उन्हें बढ़ती कीमतों का फायदा मिल सकता है। उनकी संपत्ति की कीमत बढ़ रही है, जबकि युवाओं के लिए घर खरीदना और मुश्किल होता जा रहा है। यही अंतर दोनों पीढ़ियों के बीच तनाव बढ़ा रहा है। ब्रिटेन में भी युवा बेरोजगारी और महंगे मकानों से परेशान हैं। युवाओं में बेरोजगारी करीब 16% है। खासकर लंदन और उसके आसपास घरों का किराया बहुत ज्यादा है। मुश्किल यह है कि रोजगार के नए मौके भी ज्यादातर इन्हीं इलाकों में पैदा होते हैं। ऐसे में युवाओं के लिए नौकरी मिलने के बाद भी घर का खर्च उठाना आसान नहीं है।

ब्रिटेन में बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाने के लिए 'ट्रिपल लॉक' नाम की व्यवस्था है। इसके तहत पेंशन हर साल महंगाई, औसत वेतन में बढ़ोतरी या 2.5 प्रतिशत में से जो भी ज्यादा हो, उतनी बढ़ाई जाती है। इससे बुजुर्गों की पेंशन घटने के बजाय बढ़ती रहती है। सरकार अगर पेंशन पर खर्च कम करने की कोशिश करती है, तो उसे राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

स्थानीय नागरिक ने हमलावर को मार गिराया

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी, 4 की मौत, 3 बच्चे, इस साल का 26वां हमला

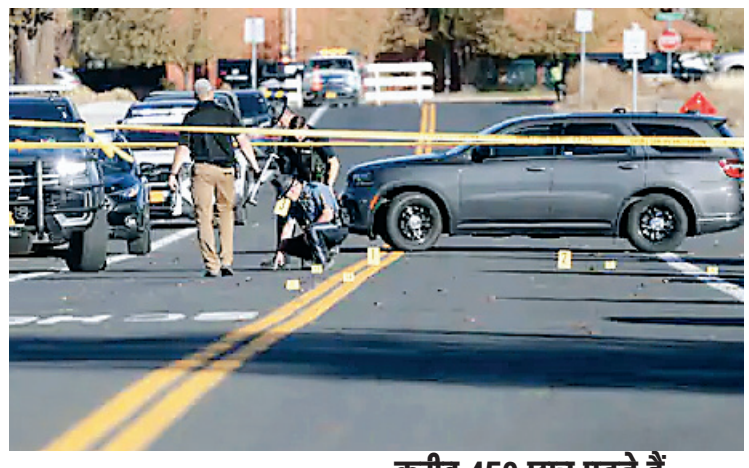
ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में गुरुवार को एक स्कूल में गोलीबारी हुई। इसमें 3 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हमलावर को एक स्थानीय नागरिक ने गोली मार दी, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर की उम्र करीब 16 साल थी। एजुकेशन वीक की रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल में गोलीबारी का यह इस साल का 26वां मामला है।

मारे गए बच्चे 5 से 11 साल के थे

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, मारे गए बच्चों की उम्र 5, 8 और 11 साल थी। मरने वालों में एक शिक्षक भी शामिल है। इनके परिवारों को जानकारी दे दी गई है। गोलीबारी में घायल 7 साल के एक बच्चे और 54 साल के शिक्षक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रमुख माइक क्रांट्ज ने बताया कि हमलावर बेंड का रहने वाला था। उसने स्कूल के बंद दरवाजों पर गोली चलाकर अंदर घुसने का रास्ता बनाया था।

निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया पर बताया कि एजेंसी की टीम घटनास्थल पर मौजूद है। फिलहाल जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या हमलावर पहले कभी इस स्कूल में पढ़ा था। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है। आने वाले दिनों में घटना से जुड़ी और जानकारी जारी की जाएगी।



करीब 450 छात्र पढ़ते हैं

रॉयटर्स के मुताबिक, सिल्वर रेल एलीमेंट्री स्कूल में किंडरगार्टन से पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई होती है। स्कूल में करीब 450 छात्र और 40 कर्मचारी हैं। ओरेगन की गवर्नर टीना कोटेक ने हमलावर को रोकने वाले स्थानीय नागरिक से भी बात की। गवर्नर ने उस नागरिक की तारीफ करते हुए कहा कि उसने बहादुरी से लोगों की जान बचाई।

ट्रम्प तय करेंगे रूसी तेल खरीदने वाले किन देशों पर प्रतिबंध

भारत पर 100% टैरिफ लगेगा या नहीं,10 दिन में फैसला, खुद डीजल खरीद रहे

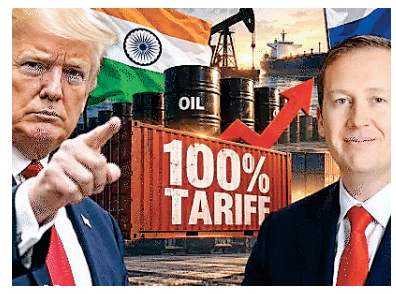
ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत पर 100% टैरिफ लगाने को लेकर करीब 10 दिन में फैसला ले सकते हैं। यह बात अमेरिकी दूत सर्जियो गोर ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में कही। गोर ने कहा कि भारत को प्रतिबंधों से छूट मिलेगी या नहीं, यह भी ट्रम्प ही तय करेंगे।

अमेरिकी संसद ने 16 सितंबर को रूस से तेल-गैस खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ लगाने का बिल पास किया था। ट्रम्प ने भी 18 सितंबर को इस कानून को मंजूरी दे दी है, लेकिन किसी देश पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि कानून पारित होने के 30 दिनों के भीतर फैसला लेना जरूरी है।

खास बात यह है कि अब ट्रम्प खुद रूस से डीजल खरीदने वाले हैं। उन्होंने रूस से डीजल खरीदने पर लगी रोक 7 अप्रैल 2027 तक हटा दी है। सर्जियो गोर ने कहा कि संसद ने प्रतिबंधों के तीन विकल्प दिए हैं। इनमें तेल, गैस और प्रतिबंधों से बचने में मदद करना शामिल है।

उन्होंने कहा, ह्लइन प्रतिबंधों का निशाना किसी एक देश पर नहीं है। कांग्रेस ने तीन अलग-अलग श्रेणियां तय की हैं। पहली तेल, दूसरी गैस और तीसरी प्रतिबंधों से बचने में मदद करना है।ह्व



गोर ने कहा कि इन श्रेणियों में शामिल लोगों की पहचान आंकड़ों के आधार पर की जाती है। उन्होंने कहा कि भारत भी कई अन्य देशों के साथ इनमें से एक श्रेणी में आता है।

ईरान जंग से अमेरिका में महंगा हुआ डीजल

अमेरिका में ईरान जंग के बाद डीजल की कीमतें बढ़कर 6.28 डॉलर प्रति गैलन हो गई हैं। माना जा रहा है कि कीमतें कम करने के लिए ट्रम्प ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला लिया है। अमेरिका में जंग से पहले डीजल करीब 3.70 डॉलर प्रति गैलन बिक रहा था। अब इसकी कीमत 6.28 डॉलर हो गई है। 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले ईंधन की बढ़ती कीमतें ट्रम्प प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई हैं।

सऊदी के महंगे हथियारों पर हूतियों के सस्ते ड्रोन भारी

15 लाख का ड्रोन रोकने में 30 करोड़ खर्च; यमन में जीत का रास्ता मुश्किल

यूक्रेन और ईरान जंग से इंटरसेप्टर मिसाइल की मांग बढ़ी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रियाद/सना

सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा पर दशकों से अरबों डॉलर खर्च किए हैं। उसके पास आधुनिक फाइटर जेट हैं। मिसाइलों को हवा में नष्ट करने वाले महंगे सिस्टम भी हैं। सैन्य खर्च के मामले में वह दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शामिल है। हूतियों के पास सऊदी अरब जैसी बड़ी सेना और आधुनिक हथियार नहीं हैं। लेकिन उन्होंने सस्ते ड्रोन और कम ऊंचाई पर उड़ने वाली क्रूज मिसाइलों को अपनी ताकत बना लिया है। इन हथियारों का पता लगाना और उन्हें हवा में ही नष्ट करना मुश्किल होता है।

सऊदी अरब के लिए हूतियों के सस्ते ड्रोन रोकना महंगा सौदा साबित हो रहा है। करीब 15 लाख रुपए के एक ड्रोन को नष्ट करने के लिए 25 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने पड़ रहे हैं। हूती विद्रोही इसका फायदा उठाकर सऊदी अरब की महंगी सुरक्षा व्यवस्था के सामने चुनौती खड़ी कर रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि सऊदी अरब के पास इतने आधुनिक हथियार होने के बावजूद हूती उसके अहम ठिकानों तक पहुंच कैसे जा रहे हैं?

सऊदी अरब लंबे समय से अमेरिका और यूरोपीय देशों से आधुनिक और महंगे हथियार खरीदता रहा है। इनमें अत्याधुनिक फाइटर जेट, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। लेकिन हूतियों के हमले के आगे ये सब बेअसर हैं।

वे कम कीमत वाले ड्रोन और क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल करते हैं। ये हथियार कई बार जमीन के काफी करीब उड़ते हैं। ऐसे में रडार के लिए उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सऊदी अरब को इन हमलों को रोकने के लिए कई बार बेहद महंगी इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल करना पड़ता है। एक पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइल की कीमत करीब 30 करोड़ होती है। इसके मुकाबले एक ड्रोन की कीमत महज 15 लाख होती है। इसका नुकसान सिर्फ पैसों तक सीमित नहीं है। महंगी मिसाइलों का भंडार भी सीमित होता है।



सऊदी की सुरक्षा का फोकस गलत दिशा में रहा

सऊदी अरब की एक बड़ी कमजोरी उसका रडार सिस्टम है। देश ने अपनी सुरक्षा के लिए पूर्वी और उत्तर-पूर्वी इलाकों पर ज्यादा ध्यान दिया। इन दिशाओं से ईरान और इराक की तरफ से खतरा माना जाता रहा है। लेकिन यमन दक्षिण-पश्चिम में है। इस तरफ से होने वाले हमलों को पकड़ने और रोकने की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है। हवाई हमलों को रोकने के लिए सबसे जरूरी है कि दुश्मन के ड्रोन या मिसाइल का समय रहते पता चल जाए। अगर हमले का पता देर से चलता है, तो जवाबी कार्रवाई के लिए कम समय बचता है। ऐसे में महंगी और आधुनिक मिसाइलें होने के बावजूद हमले को रोकना मुश्किल हो जाता है। सऊदी के किंग खालिद एयरपोर्ट पर 8 अक्टूबर को हूती विद्रोहियों के हमले के बाद धुआं और आग की लपटें उठता हुआ। सऊदी के किंग खालिद एयरपोर्ट पर 8 अक्टूबर को हूती विद्रोहियों के हमले के बाद धुआं और आग की लपटें उठता हुआ।

सेना की बनावट भी बन रही है परेशानी

सऊदी अरब की मुश्किल सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं है। उसकी सेना का ढांचा और काम करने का तरीका भी चुनौती पैदा करते हैं। सऊदी अरब की नियमित सेना में करीब 2.5 लाख सैनिक हैं। वहीं, नेशनल गार्ड में करीब 1.25 लाख सैनिक हैं। नेशनल गार्ड सेना से अलग है। इसमें ऐसे कबीलों के लोगों की भर्ती की जाती रही है, जिन्हें सऊदी राजपरिवार का वफादार माना जाता है।

है।

यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्धों के कारण दुनियाभर में मिसाइल इंटरसेप्टर की मांग बढ़ी है। ऐसे में सऊदी अरब के लिए लंबे समय तक इसी तरह हमलों को रोकते रहना मुश्किल हो सकता है। हूतियों की ताकत भी पहले जैसी नहीं रही। उन्होंने अपने हथियारों के भंडार को बढ़ाया है। अब वे कुछ हथियार खुद भी बनाने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक रिपोर्ट में इसका जिक्र भी किया गया है कि अब हूती ईरान के भरोसे नहीं रहे।



हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर हमला किया

यमन के अदन शहर में हूती विद्रोहियों ने राष्ट्रपति भवन पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के समय प्रधानमंत्री शाया मोहसेन अल-जिंदानी और सरकार के कई मंत्री परिसर में मौजूद थे, सभी सुरक्षित हैं।

सूचना मंत्रालय के मुताबिक, हमले में 4 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 2 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने अदन में सऊदी अरब के सैन्य अभियान मुख्यालय पर हमला किया। हूती मीडिया ने हथियारों के भंडार को निशाना बनाने का दावा भी किया। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार की अंतरिम राजधानी है। देश में सरकार और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के

पश्चिम रेलवे - रतलाम मण्डल

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबंधक/मण्डल कार्यालय (कार्यलेखा शाखा) पश्चिम रेलवे, रतलाम निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली निविदा' के माध्यम से वेबसाईट www.ireps.gov.in पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है: **क्र. :** 1 **ई-टेंडरिंग संख्या : RTM-2026-27-78R कार्य का नाम:** Ranayala Jasmiya (RCJ) Sation : Provision of EI SYSTEM AT Left Over PI STATIONS in Dewas-Maksi Section (including Electrical Work). **अनुमानित लागत:** Rs.1,21,49,262.57 **बयाना राशी :** Rs.2,43,000.00 **कार्य समापन अवधि:** 10 Months. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि:** 14.10.2026 **निविदा खुलने की तिथि:** 06.11.2026 **क्र. :** 2 **ई-टेंडरिंग : RTM-2026-27-104 कार्य का नाम:** 1. Maksi-Dewas-TRR(P) - 11.709 Tkm 2. Indore-Dewas-Ujjain section - Through Rail Renewal (P) Total 4.354 Tkm & 3. Indore-Dewas-Ujjain section - TFR - 36.973 TKM **अनुमानित लागत:** Rs.2,12,51,003.29 **बयाना राशी :** Rs.4,25,000.00 **कार्य समापन अवधि:** 12 Months. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि:** 14.10.2026 **निविदा खुलने की तिथि:** 06.11.2026 विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

Apex/299

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

■ वर्ष-12 अंक-343 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

आचार्य पुस्तक निवास सहाय वासो।
बाह्या इमे पठन पञ्चगुणा नराणाम्।।

भावार्थ : आचार्य, पुस्तक, निवास, मित्र और वस्त्र ये पाँच बाह्य गुण हैं जो पढ़ने के लिए आवश्यक हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, शुक्रवासरः 16 अक्टूबर, 2026

आरोग्य बुद्धि विनयोद्यम शास्त्ररागाः।
आभ्यन्तराः पठन सिद्धिकराः भवन्ति।।

भावार्थ : स्वास्थ्य, बुद्धि, विनय, उद्यम और शास्त्रों के प्रति प्रेम ये पाँच आंतरिक गुण हैं जो पढ़ने के लिए आवश्यक हैं।

सम्पादकीयम्

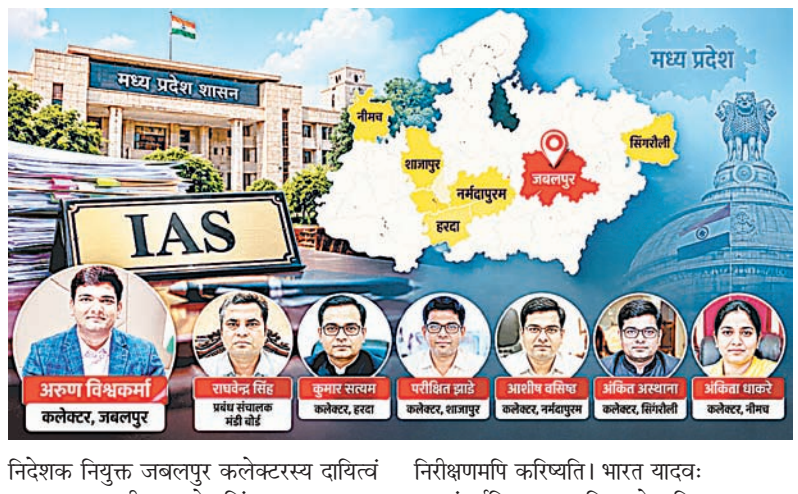
आरम्भादेव स्पष्टता

यदा केन्द्रसर्वकारेण जातिगणनायाः तिथयः घोषिताः तदा एतत् कार्यं आव्हानात्मकं भविष्यति इति स्पष्टम् आसीत्। भारतीयराजनीत्यां जातिः सर्वदा महत्त्वपूर्णं स्थानं धारयति चेदपि तस्य सम्यक् निर्धारणं कठिनं सिद्धं भवितुम् अर्हति। यद्यपि जनगणनाप्रक्रिया आरब्धा अस्ति तथा च जातिगणना द्वितीयचरणस्य कृते निर्धारिता अस्ति तथापि अभ्याससम्बद्धाः प्रश्नाः पूर्वमेव उत्पद्यन्ते। जातिगणना गतवर्षे यदा केन्द्रसर्वकारेण जातिगणनायाः तिथयः घोषिताः तदा एव स्पष्टं जातं यत् एतत् कार्यं चुनौतीपूर्णं भविष्यति। देशस्य राजनीतिषु जातिः सर्वदा एव महत्त्वपूर्णा अस्ति, तथापि तस्याः सटीकपरिभाषा अपि तथैव कठिनम् अस्ति। जनगणनाप्रक्रिया अधुना एव आरब्धा, द्वितीयचरणस्य जातिगणना च निर्धारिता अस्ति, तथापि चिन्ता पूर्वमेव उत्पद्यते। काङ्ग्रेसस्य आक्षेपः : काङ्ग्रेसपक्षस्य आरोपः अस्ति यत् जातिगणनायां ओबीसी-जनानाम् कृते विशिष्टस्तम्भस्य अभावः अस्ति। लोकसभायां विपक्षस्य नेता राहुलगान्धी, काङ्ग्रेसस्य अध्यक्षः मल्लिकार्जुनखर्गे च अपि आँकडासंग्रहणपद्धतेः विषये प्रश्नं कृतवन्तः। तेषां आक्षेपः तस्मात् उद्भूतः यत् जातिस्तम्भः मुक्तान्तः अस्ति, यत्र व्यक्तिभिः स्वयमेव स्वजातिलेखनं करणीयम्। यतो हि देशस्य विभिन्नेषु भागेषु एकैव जातिः भिन्नभिन्नाम्ना प्रसिद्धा अस्ति, तस्मात् परिणामी दत्तांशः भ्रमितः भवितुम् अर्हति स्म, येन सार्थकनिष्कर्षः अत्यन्तं कठिनः भवति स्म २०११ तमस्य वर्षस्य त्रुटिः। एषा आशङ्का सम्पूर्णतया निराकर्तुं न शक्यते।

मध्यप्रदेशे आईएएस अधिकारिणां प्रमुखं फेरबदलम्

जबलपुर सहित ६ जिले, नए संग्राहक प्राप्त करें सुखबीर सिंह सीएम के प्रधान सचिव नियुक्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल



मध्यप्रदेशे प्रमुखप्रशासनिकपरिवर्तनस्य भागरूपेण जबलपुरमण्डले नूतनः कलेक्टरः प्राप्तः। राज्यसर्वकारेण जबलपुरस्य उत्तरदायित्वं रायसेनस्य निवर्तमानस्य कलेक्टरस्य अरुणविश्वकर्मा हस्ते समर्पिता अस्ति। इदानीं जबलपुरकलेक्टररूपेण कार्यं कुर्वन् आसीत् राघवेन्द्रः मध्यप्रदेशराज्यस्य कृषिविपणनमण्डलस्य (मण्डीमण्डलस्य) प्रबन्धनिदेशकरूपेण नियुक्तः अस्ति। एषः परिवर्तनः मण्डलस्य प्रशासनिकनेतृत्वे परिवर्तनं चिह्नयति। राज्यसर्वकारेण मुख्यमन्त्रीसचिवालये, प्रमुखविभागेषु, अनेकेषु जिल्हेषु च नूतनानि नियुक्तयः अपि कृताः सन्ति। जबलपुरे नवे कलेक्टरस्य नियुक्तिः मण्डलस्य प्रशासनिकसञ्चालनार्थं महत्त्वपूर्णा इति मन्यते।

जबलपुर के नए कलेक्टर बने अरुण विश्वकर्मा राज्यसर्वकारस्य प्रशासनिकपरिवर्तने अरुणविश्वकर्मा रायसेनतः जबलपुरस्य कलेक्टर्ट भवितुं स्थानान्तरितः अस्ति। अधुना सः मण्डलस्य प्रशासनिकव्यवस्थापनस्य, विविधसरकारीयोजनानां कार्यान्वयनस्य च उत्तरदायी भविष्यति। संग्राहकत्वेन सः राजस्वप्रशासनस्य विकासकार्यस्य च निरीक्षणे, तथैव सर्वकारीयनीतीनां प्रभावीकार्यन्वयनं सुनिश्चित्य च महत्त्वपूर्णां भूमिकां निर्वहति।

परन्तु उपलब्धसूचनायां अरुणविश्वकर्मा जबलपुरे प्रभारं ग्रहीतुं तिथिं न निर्दिशति, अथवा मण्डलस्य कृते तस्य प्राथमिकतानां रूपरेखां न दर्शयति। अतः तस्य भविष्यस्य प्रशासनिकनिर्णयानां विषये अद्यापि कोऽपि निष्कर्षः कर्तुं न शक्यते।

राघवेन्द्र सिंह मंडी बोर्ड के प्रबंध निदेशक नियुक्त जबलपुर कलेक्टरस्य दायित्वं सम्पादयन् आसीत् राघवेन्द्रसिंहस्य स्थानान्तरणं कृत्वा मण्डी बोर्डस्य प्रबन्धनिदेशकत्वेन नियुक्तिः कृता अस्ति। तस्य स्थाने अरुण विश्वकर्मा स्थापनं कृतम् अस्ति। एतेन परिवर्तनेन मण्डलस्य कृते नूतनायाः प्रशासनिकनेतृत्वव्यवस्थायाः आरम्भः भविष्यति। संग्राहकाः राजस्वसम्बद्धविषयाणां निबन्धनं, कानूनव्यवस्थायाः समन्वयः, विकासयोजनानां समीक्षा, विभिन्नविभागानाम् मध्ये समन्वयं सुनिश्चितं च इत्यादीनि महत्त्वपूर्णानि कार्याणि कुर्वन्ति फलतः नूतनकलेक्टरस्य नियुक्तेः अनन्तरं मण्डलस्य प्रशासनिककार्यक्षमतायाः विषये भविष्यस्य विकासेषु सवेर्षां दृष्टिः भविष्यति। मुख्यमन्त्री सचिवालयतः जिल्हेषु फेरबदलः।

राज्यसर्वकारेण न केवलं जबलपुरे अपितु अन्येषु कतिपयेषु प्रमुखपदेषु अपि अधिकारिणां उत्तरदायित्वस्य परिवर्तनं कृतम् अस्ति। सुखबीरसिंहः मुख्यमन्त्रीप्रधानसचिवरूपेण नियुक्तः अस्ति; सः लोकनिर्माणविभागस्य निरीक्षणमपि करिष्यति। भारत यादवः जनसंपर्कविभागस्य सचिवरूपेण नियुक्तः अस्ति। तदतिरिक्तं नव संग्राहकाः नियुक्ताः सन्ति : हरदा कृते कुमार सत्यम्, शाजापुरस्य कृते परीक्षित झाडे, नर्मदापुरस्य कृते आशीष वशिष्ठः, सिंगरौली कृते अंकित अस्थाना, नीमचस्य कृते अंकिता धक्रे च। रश्मि अरुणशमी इत्यस्याः चिकित्साविभागस्य अतिरिक्तमुख्यसचिवस्य, खाद्यविभागस्य च केसीगुप्तायाः भूमिका नियुक्ता अस्ति। जबलपुर में नवीन प्रशासनिक नेतृत्व पर ध्यान देना जबलपुरे कलेक्टरपरिवर्तनं मण्डलस्य प्रशासनिककार्यक्षमतायाः कृते महत्त्वपूर्णम् अस्ति। अरुणविश्वकर्मा नियुक्तेः अनन्तरं अधुना सर्वकारीययोजनानां समीक्षा, राजस्वविषयाणां समाधानं, विकासपरियोजनानां निरीक्षणं। च विषये तस्य कार्यशैल्यां ध्यानं केन्द्रीक्रियते। इदानीं कृते सर्वकारेण पोस्टिंग विषये परिवर्तनं घोषितम्। नूतनसंग्रहकर्तुः प्राथमिकता, प्रभारस्य धारणा, मण्डलस्य अन्तः।

वैद्याः तस्य तीव्रक्षतानां

चिकित्सां कर्तुं आरब्धवन्तः सिलेन्थं च कृतवन्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जबलपुर

अनन्तरं रसिकदुलारीशरणं मथुरानगरस्य गोकुलभोजनागारस्य समीपे स्थितं सर्वोदयचिकित्सालये नीतम्। वैद्याः तस्य तीव्रक्षतानां चिकित्सां कर्तुं आरब्धवन्तः, सिलेन्थं च कृतवन्तः; तथापि तस्य अतिशयेन रक्तक्षयः पूर्वमेव अभवत्। तस्य उद्धाराय प्रायः द्वौ घण्टाः यावत् प्रयत्नः कृतः अपि सः पुनरुत्थानं कर्तुं न शक्तवान्। वार्ता प्राप्य पुलिसाः चिकित्सालये आगताः, परन्तु तावत्पर्यन्तं साधुस्य स्थितिः गम्भीरा आसीत्, सः च वक्तव्यं दातुं असमर्थः अभवत्। चिकित्साकाले सः चोटैः मृतः। तदनन्तरं पुलिसैः शवस्य कब्जां कृत्वा शवपरीक्षा कृता।

अनुसन्धाने संलग्नाः पञ्च पुलिसदलानि प्रारम्भिक अन्वेषणेन ज्ञायते यत् रसिकदुलारीशरणः चतुर्थतलात् कूर्दनं कृत्वा स्वप्राणान् गृहीतवान् इति कथ्यते, तथापि तस्य अन्तर्निहितकारणं रहस्यं वर्तते। मथुरापुलिसस्य पञ्च पृथक पृथक दलाः अस्य प्रकरणस्य विच्छेदनार्थं घण्टां यावत् कार्यं कुर्वन्ति। वृन्दावनपुलिसः, न्यायिकदलः च प्रत्येकं सम्भाव्यं प्रमाणं सङ्कलन्ति। अन्वेषकाः आश्रमस्य सीसीटीवी-दृश्यानां, घटनासमये उपस्थितानां प्रत्यक्षदर्शिनां, साधुस्य पूर्वसहकारिणां च सूचनां एकत्र कृत्वा रहस्यस्य विषये प्रकाशं प्रसारयितुं प्रयतन्ते।

बालकानां मृत्योः परीक्षणं कर्तुं परिवाराः अस्वीकृतवन्तः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पटना

दुर्घटने ये जनाः प्राणान् त्यक्तवन्तः तेषां बहुसंख्या बालिकाः सन्ति। बालकानां मृत्योः परीक्षणं कर्तुं परिवाराः अस्वीकृतवन्तः। सम्भाव्य अशान्तिस्य प्रत्याशायां पुलिसं नियोजितम् अस्ति। दुर्घटनायाः अनन्तरं जनाः स्थूलकाष्ठफलकेषु बद्धपाशैः पीडितान् बहिः आकर्षितवन्तः। सर्वान् चिकित्सालयं प्रति परिवहनात् पूर्वं तटे आनेतुं अपि खाटानां उपयोगः भवति स्म। अनेकजनानाम् उद्धाराय साहाय्यं कृतवान् रवि यादवः अवदत् यत्, स्नदीं लङ्घयन्ती नौका भग्नं भूत्वा प्रवाहस्य मध्ये मग्नवती। वयं सर्वे तत्र उपस्थिताः आसन्। ग्रामजनानां साहाय्येन सर्वे उद्धारिताः।

राशिफल

मेष : आज धन संबंधी मामलों में आप सफलता देखेंगे। आज का दिन काफी लकी माना जा रहा है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें।

वृषभ : आज का दिन थोड़ा बिजी फील हो सकता है। सेहत ही आपका धन है। फाइनेंशियल सिचूऐशन थोड़ी गड़बड़ा सकती है।

मिथुन : आज रास्ते में आने वाले अवसरों का लाभ उठाने का दिन है। फाइनेंशियल स्थिति में थोड़े-बहुत उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आया है। उत्साह से भरा रहेगा दिन।

सिंह : आज आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण बड़े पैमाने पर फल देंगे। क्रिएटिव महसूस कर सकते हैं।

कन्या : जो लोग रिलेशन में हैं, उनके लिए आज अपने जुनून को जगाने और अपनी पाटर्नरशिप में फिर से स्पार्क लाने का सही समय है।

तुला : आज सिनीयर्स के साथ नोक-झोक से बचना बेहतर रहेगा। धन के मामले में लकी रहने वाले हैं आप।

वृश्चिक : आज अपनी फाइनेंशियल सिचुएशन पर फोकस करें।अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए आज का दिन शुभ है।

धनु : आज की एनर्जी आपको अपने सपनों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

मकर : अपने साथी से जुड़ने और प्यार बांटने के लिए अपने अट्रैक्शन और कम्यूनिकेशन का इस्तेमाल करें।

कुंभ : आज आपको अपने फाइनेंस को मैनेज करने में आपका पार्टनर मदद कर सकता है। जीवन में थोड़ी-बहुत हलचल रहेगी।

मीन : आज आपका दिन खास रहने वाला है। शाम में अपने लवर के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगे।

महिला हॉकी में 44 साल का इंतजार खत्म हुआ, इनकी सफलता, देश की सफलता

पीएम मोदी दिल्ली में एशियन गेम्स मेडलिस्ट से मिले

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के मेडलिस्ट खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी ने गोल्ड मेडल जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया है। खिलाड़ियों की सफलता देश की सफलता है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी शामिल रहीं। आइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

- **पीएम ने भारतीय क्रिकेट टीम की भी तारीफ की-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में हुए एशियन गेम्स कई मायनों में यादगार रहे। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते। महिला हॉकी टीम ने गोल्ड जीतकर 44 साल का लंबा इंतजार खत्म किया। क्रिकेट में भी भारत की पुरुष और महिला टीमों ने लगातार दूसरी बार मेडल जीतकर अपना पिछला रिकॉर्ड दोहराया। कबड्डी में दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए।



- **पीएम मोदी बोले- युवा खुद अपनी राह बना रहे-** पीएम ने कहा- ह्यएशियन गेम्स में भारत की सफलता देश की बदलती सोच को भी दिखाती है। यह इस बात का उदाहरण है कि आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा- 'युवाओं के दृढ़ संकल्प से बड़ी कोई चुनौती नहीं है और उनकी क्षमता से बाहर कोई लक्ष्य नहीं है। संभावनाओं का असीमित आसमान उनके सामने है और वे खुद अपनी राह बना रहे हैं।
- **85 में से 38 मेडल बेटियों ने जीते-** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के जीते 85 पदकों में से 38 पदक महिला खिलाड़ियों ने जीते हैं, जिनमें 11 गोल्ड मेडल शामिल हैं। ये पदक सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि नए भारत की मजबूत तस्वीर पेश करते हैं।
- **खिलाड़ियों से मिलकर ऊर्जा मिलती है-** पीएम मोदी ने कहा कि मेडल विजेता खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें भी ऊर्जा मिलती है। खिलाड़ियों का जुनून जब जीत में बदलता है, तो उनके चेहरे के साथ पूरे देश का गौरव भी बढ़ता है।
- **पूरे देश का गौरव बढ़ता है-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच आकर उन्हें भी ऊर्जा मिलती है। एक साथ इतने सारे मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मिलना अपने आप में खास अनुभव है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि जब जुनून जीत में बदलता है, तो सिर्फ मेडल ही नहीं मिलते, बल्कि चेहरे पर भी चमक आती है। इससे पूरे देश का गौरव बढ़ता है।
- **85 में से 38 मेडल बेटियों ने जीते-** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 1982 के बाद पहली बार भारत ने मैराथन में सफलता हासिल की है, जो बेहद खुशी की बात है। उन्होंने महिला खिलाड़ियों की खास तौर पर तारीफ की। कहा कि भारत के जीते 85 पदकों में से 38 पदक महिला खिलाड़ियों ने जीते हैं, जिनमें 11 गोल्ड मेडल शामिल हैं। ये पदक सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि नए भारत की मजबूत तस्वीर पेश करते हैं।

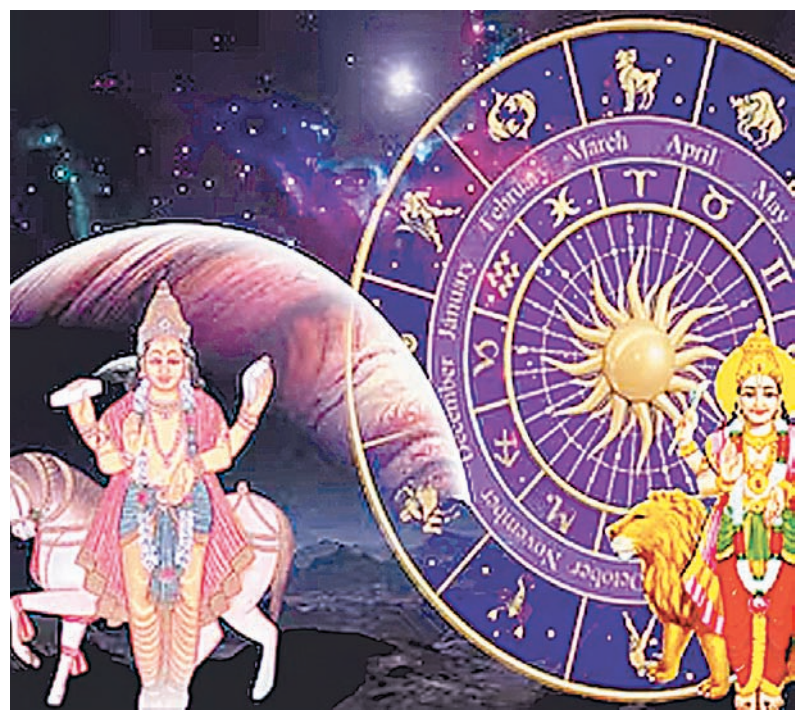
युवा खुद अपनी राह बना रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एशियन गेम्स में भारत की सफलता देश की बदलती सोच को भी दिखाती है। यह इस बात का उदाहरण है कि आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहते हैं। युवाओं के दृढ़ संकल्प से बड़ी कोई चुनौती नहीं है और उनकी क्षमता से बाहर कोई लक्ष्य नहीं है। संभावनाओं का असीमित आसमान उनके सामने है और वे खुद अपनी राह बना रहे हैं।

ज्योतिष/वास्तु

बंपर लाभ से लेकर विदेश यात्रा के योग

लकी राशियां: शुक्रादित्य योग बदलेगा इन 3 राशि वालों के दिन



सूर्य 17 अक्तूबर 2026 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में उनकी युति शुक्र के साथ होगी, जिससे शुक्रादियत्य योग बनेगा। इस दौरान कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिलने की अधिक संभावनाएं बनेंगी।

सूर्य का तुला में गोचर खास होने वाला है, क्योंकि इस राशि पर शुक्र का स्वामित्व माना जाता है। वहीं, संयोग से वर्तमान में शुक्र भी तुला राशि में ही विराजमान हैं। ऐसे में सूर्य के इस राशि में प्रवेश करते ही शुक्रादित्य योग का निर्माण होगा, जिसे वैदिक ज्योतिष में बेहद शुभ योगों में से एक माना जाता है। यह संयोग 17 अक्तूबर 2026 को बनेगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस योग का प्रभाव कुछ राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। इस दौरान व्यापार में तरक्की के साथ आर्थिक लाभ और करियर में सफलता मिलने के योग बन सकते हैं। कुछ जातकों को विदेश यात्रा के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। आइए जानते हैं इन लकी राशियों के बारे में।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान आपको नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं और कारोबार में भी सफलता मिलने के योग हैं। इस समय किसी निवेश का हिस्सा बनेंगे। आपकी मेहनत और प्रयासों को पहचान मिलने के साथ आगे बढ़ने के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। विवाह के लिए प्रस्ताव आएगा।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए यह समय काफी लाभकारी रहेगा। किस्मत हर काम में आपका पूरा साथ देगी और आपके कई अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। घर और बाहर नौकरी की इच्छा इस समय पूरी होगी। साथ ही कर्ज के मामलों से भी आपको राहत मिलेगी। सरकारी क्षेत्र से लाभ मिलने के योग हैं। साथ ही, आप अपने कामकाज में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

मकर राशि- मकर राशि वालों को इस दौरान मनचाही सफलता मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी। खासतौर पर प्रेम संबंधों के लिए समय काफी अच्छा रहने वाला है। रिश्तों में नजदीकियां बढ़ सकती हैं और पार्टनर के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। नए अवसरों से लाभ मिलने के योग बन सकते हैं। कोई मनचाहा कॉलेज या कोई नया काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

विमेंस क्रिकेट में पहली बार भारत-जिम्बाब्वे

रायपुर में पहला टी-20 मुकाबला आज, स्मृति मंधाना की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रायपुर

महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में आज पहली बार भारत और जिम्बाब्वे की भिड़ंत होगी। तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला आज रायपुर में शाम 7 बजे से होगा।

स्मृति मंधाना के रेगुलर कप्तान बनने के बाद भारतीय टीम अपना पहला मैच खेलने उतरेगी। वहीं रायपुर में भी पहली बार महिला इंटरनेशनल मैच खेला जाने जाएगा।

जिम्बाब्वे इस साल एक भी टी-20 नहीं जीता- जिम्बाब्वे की विमेंस टीम ने इस साल 18 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। सभी मुकाबलों में उसे हारा का सामना करना पड़ा। टीम की पिछली जीत सितंबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ आई थी। दूसरी ओर भारत लगातार 8 टी-20 इंटरनेशनल मैच जीत चुका है। टीम ने हाल ही में एशिया कप ट्रॉफी और एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल किया था।

उपकप्तान शेफाली और श्री चरणी पर नजरें- शेफाली वर्मा ने इस साल 24 टी-20 मैचों में 162.83 की स्ट्राइक रेट से 863 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 100 रन रहा। वह उपकप्तान की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। गेंदबाजी में श्री चरणी ने 23 मैचों में 47 विकेट लिए हैं। उनकी इकोनॉमी 5.67 रही है। वह इस साल टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।



जिम्बाब्वे की टॉप बल्लेबाज केलिस एनधलोवु- जिम्बाब्वे की केलिस एनधलोवु ने इस साल 18 टी-20 मैचों में 320 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 104.23 रहा। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले मैच में 48 गेंद पर 63 रन की पारी खेली थी

नंबर-3 पर अनुष्का या निकी को मौका?

जेमिमा रोड्रिग्स हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रही हैं और इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में तीसरे नंबर पर अनुष्का शर्मा या निकी प्रसाद को मौका मिल सकता है। दोनों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर श्रेयंका पाटिल की गैरमौजूदगी में प्रेमा रावत को भी प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। रायपुर में अब तक 2 पुरुष टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार रही है। इस साल जनवरी में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन का लक्ष्य हासिल किया था। मैच के समय मौसम साफ रहने का अनुमान है। दिन में तापमान 33 डिग्री और शाम को करीब 28 डिग्री रहने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर रह सकते हैं बुमराह

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर रह सकते हैं। हालांकि वे पूरी तरह फिट हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट उन्हें वनडे के बजाय टेस्ट सीरीज के लिए तैयार रखना चाहता है। बुमराह अहमदाबाद में टेस्ट की तैयारी शुरू कर चुके हैं। इस महीने के आखिर में उनके बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचने की संभावना है। इसके बाद वे न्यूजीलैंड रवाना हो सकते हैं। पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होना है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, लंबे दौरे को देखते हुए टीम बुमराह के वर्कलोड को प्राथमिकता देना चाहती है। बुमराह को 6 नवंबर से शुरू होने वाले इंडिया अ के तीसरे मुकाबले में खिलाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। इससे उनका वर्कलोड बढ़ाया जा सकेगा। इसके बाद 19 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले उन्हें पर्याप्त समय मिल सकेगा।

खबर एक नजर...

रिमांड परमादक पदार्थ के साथ पकड़ाया युवक

उज्जैन। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 5 पर ट्रेन का इंतजार कर रहे युवक अजय कुमार पिता भंवरलाल 28 साल निवासी अजमेर (राजस्थान) को आरपीएफ-जीआरपी की टीम ने चैकिंग के दौरान 28 किलो मादक पदार्थ डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया था। गुरूवार उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से 19 अक्टूबर तक रिमांड पर लिया गया है। जीआरपी निरीक्षक सुनील गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने मोबाइल पर कॉल के बाद देवासगेट से डोडाचूरा के 2 बेग उठाना बताया था। जिसकी पुष्टि के लिये देवासगेट पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे है। वहीं उसके मोबाइल पर बेग उठाने की सूचना देने वाले का नम्बर भी ट्रेस किया जा रहा है। आरोपी का कहना है कि उसे उज्जैन से मादक पदार्थ राजस्थान लेकर जाने पर पैसे मिलते है। पूर्व में चार बार उज्जैन आ चुका था। मोबाइल पर ही उससे बेग उठाने की जानकारी मिलती है। निरीक्षक गुप्ता के अनुसार पूर्व में पंजाब की 2 महिलाओं को पकड़ा गया था, उन्होने भी देवासगेट से एक व्यक्ति द्वारा मादक पदार्थ के बेग देना बताया था। संभवतः दोनों मामलों में एक ही व्यक्ति उज्जैन से दूसरे राज्यों में मादक पदार्थ पहुंचाने का काम कर रहा है। जिसकी गिरफ्तारी जल्द करने के प्रयास किये जा रहे है।

कोटा-सारंगपुर हाइवे पर दुर्घटना में घायल की मौत

उज्जैन। कोटा-सारंगपुर हाइवे पर गुरूवार सुबह आगर मालवा के छावनी मार्केट में रहने वाला अशोक पिता नाथुलाल मालवीय 55 साल अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना में घायल हो गया था। उसे गंभीर हालत में परिवार आगर से उपचार के लिये आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज लेकर आया था। शाम को अशोक की मौत हो गई। चिमनगंज थाना एसआई जयदीप राठौर ने बताया कि सूचना मिलने पर मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद डायरी जांच के लिये संबंधित थाना पुलिस को आगर भेजी जायेगी। परिजनों का कहना था कि अशोक मानसिक रूप से कमजोर था, सुबह से पैदल निकलता था और रात में वापस लौटा था।

तीन लोगों को कुचलने वाले बस चालक पर केस दर्ज

उज्जैन। ग्राम भान बडोदिया उज्जैन-तराना मार्ग पर 8 अक्टूबर को आनंद ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 09 पीए 0514 ने बाइक सवार मांगीलाल परमार 60 साल, मनोहरलाल सोलंकी 45 साल और शंकरलाल सोलंकी 53 साल को कुचल दिया था। मौके पर मांगीलाल और मनोहरलाल की मौत हो गई थी। शंकर ने उपचार के दौरान निजी अस्पताल में दूसरे दिन दम तोड़ दिया था। तीनों मृतक ग्राम बिसनखेड़ी तराना के रहने वाले थे और गेहूं बीज खरीदने के लिये उज्जैन आ रहे थे। घट्टिया पुलिस ने दुर्घटना के बाद बस को जप्त कर लिया था। चालक भाग निकला था। एसआई अलकेश डझंगे ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच में लिया गया था। 6 दिन बाद बुधवार रात बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। चालक तराना का रहने वाला है। जिसकी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जायेगा।

सोयाबीन काट रही महिला को सांप ने डंसा, मौत

उज्जैन। खेत में कटाई के बाद बिखरी सोयाबीन एकत्रित कर रही महिला शांतिबाई पति मुकेश ग्राम रणायरा गुर्जर को सांप ने डंस लिया था। परिवार उसे उपचार के लिये उज्जैन लेकर आया था। निजी अस्पताल में बुधवार-गुरूवार रात शांतिबाई की मौत हो गई। सूचना मिलने पर माधवनगर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। मृतक महिला रतलाम की रहने वाली थी, परिजन अंतिम संस्कार के लिये पैतृक गांव लेकर गये है।

अब दिन-रात के तापमान में आने लगी गिरावट

उज्जैन। पिछले कुछ दिनों से दिन-रात का तापमान लोगों के लिये परेशानी बना हुआ था। अक्टूबर माह आधा गुजर जाने के बाद भी गर्मी-उमस बनी हुई थी। लेकिन बुधवार से मौसम का मिजाज बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। जहां रात के तापमान में 1 डिग्री की गिरवाट आई थी, वहीं गुरूवार को दिन का तापमान भी 0.5 डिग्री कम हुआ है। मौसम विभाग की माने तो एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ती दिखाई दे रही है। यह उत्तर पंजाब के आसपास ऊंचाई पर बना हुआ है। दक्षिण हरियाणा के ऊपर भी चक्रवातीय परिसंचरण और उत्तर पूर्वी उत्तरप्रदेश से मध्यप्रदेश होते हुये महाराष्ट्र तक ट्रफ रेखा बनी हुई है। जिसका विस्तार पूर्व-मध्य अरब सागर तक बना हुआ है। जिसके चलते कुछ क्षेत्रों में बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते अब तापमान में कमी आना शुरू हो जायेगी। नवम्बर माह की शुरूआत होते ही लोगों को ठंड महसूस होने लगेगी।

दिन	390-2	466-6
मेन बाजार	346-3	369-8
मिलन डे	570-2	288-8
मिलन नाइट	247-3	160-7

7 8 9

डायवर्सन योजना के काम में अतिरिक्त मशीनें लगाकर काम करने को कहा गया

कान्ह डायवर्सन का कार्य 71 फीसदी हुआ, मई 2027 तक पूर्ण होगा

विकास प्राधिकरण की धीमी गति सामने आई, इलेक्ट्रिक कार्य के पहले उपभोक्ताओं को मिलेगी सूचना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

919.14 करोड की प्रशासकीय स्वीकृति की कान्ह डायवर्सन योजना का काम 71 प्रतिशत हो चुका है। मई 2027 तक इस कार्य को पूर्ण करने के निर्देश मेलाअधिकारी सह संभागायुक्त आशीष सिंह ने गुरूवार को दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इसी तरह जिला चिकित्सालय के सामने बन रहे मेडिकल कॉलेज का कार्य भी 68 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। मेडिकल कॉलेज की एकेडमिक बिल्डिंग, हॉस्पिटल और हॉस्टल आदि का कार्य जून माह तक पूर्ण करने के लिए कहा है।

गुरूवार को सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन विकास प्राधिकरण तथा जल संसाधन विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कान्ह डायवर्सन तथा सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी डेम निर्माण और घाट निर्माण कार्य की समीक्षा भी की गई। बैठक में बताया गया कि कान्ह डायवर्सन का 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। संभागायुक्त ने अतिरिक्त मशीनें लगाकर इस कार्य को 30 मई तक पूर्ण करने के लिए कहा है।

कान्ह के दुषित जल को रोकना- कान्ह डायवर्सन परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को शहर में शिप्रा नदी के प्रमुख घाटों एवं तीर्थ स्थलों में मिलने से रोकना है, जिससे शिप्रा नदी का जल पवित्र एवं स्वच्छ बना रहे। परियोजना के अंतर्गत ग्राम जमालपुरा, तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जा रहा है, जिससे दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से 30.15 किमी की दूरी तय कर गम्भीर बांध के डाउनस्ट्रीम में छोड़ा जाएगा।

यूडीए को गति बढ़ाने के निर्देश- उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे सिंहस्थ के प्रमुख कार्यों में चौराहों का विकास, मंगलनाथ मंदिर का विकास, कालभैरव मंदिर का विकास, अंगारेश्वर-सिद्धवट का विकास, अंकपात से खाक चौक तक का चौड़ीकरण, शक्करवासा से छोटी रपट पंचक्रोशी मार्ग, कालिदास अकादमी में डोम शेड का निर्माण तथा शनि मंदिर से जीवनखेड़ी तक की सड़क का निर्माण आदि शामिल हैं। संभागायुक्त ने इन सभी कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए है। बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि जिन सड़कों पर इलेक्ट्रिकल शिफ्टिंग और अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य होना है, वहाँ पर सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक शटडाउन लिया जा सकता है, लेकिन शटडाउन से पूर्व संबंधित उपभोक्ताओं को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से दी जाए।

ये है कान्ह परियोजना- परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति राशि 919.94 करोड़ रुपए है। इसकी कुल लंबाई 30.15 किमी (कट एंड कवर डक्टः 18.15 किमी + टनलः 12.00 किमी) है। टनल भाग में 4 शाफ्टों का निर्माण पहुंच एवं सफाई-रखरखाव के लिए जाना है। डक्ट का डी-आकार का क्रॉस सेक्शन, अधिकतम 40 क्यूमेक्स दूषित जल की निकासी क्षमता का है। परियोजना को आगामी 25 वर्ष तक की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

हर दिन साइबर ठग लोगों बना रहे निशाना....

21 दिन में 6 खातों से 5.43 लाख का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

डिजीटल लेन-देन और इंटरनेट की सुविध आम आदमी तक पहुंचने के बाद ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पिछले 21 दिनों में 6 लोगों के खातों से गायब हुये 5.43 लाख का मामला सामने आने पर पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किये है। जिले में हर दिन साइबर धोखाधड़ी की शिकायत सामने आ रही है।

संचार क्रांति के युग में कर लो दुनिया मुठ्ठी में (मोबाइल) हर व्यक्ति के पास होने पर डिजीटल लेन-देन आसान हो गया है, लोगों की जेब खाली है लेकिन उनके पास हजारों-लाखों रुपए है। जिसका फायदा साइबर ठगों द्वारा उठाया जा रहा है। ठग किसी को झांसा देकर ठगी कर रहे तो कई लोगों के साथ तकनीकी स्तर पर धोखाधड़ी होना सामने आ रहा है। पिछले 2 दिनों में चिमनगंज, खाराकुआ और खाचरौद थाना पुलिस ने 21 दिनों के दौरान 6 लोगों के साथ अलग-अगल हुई 5.43 लाख से अधिक की धोखाधड़ी के प्रकरण दर्ज किये है। पहला मामला 12 अक्टूबर को विष्णु पंवार निवासी श्रीवीर नगर के साथ हुआ। साइबर ठगों ने एपीके फाइल मोबाइल पर भेजी, जिसे डाउनलोड करते ही खाते से 2.25 लाख गायब हो गये। इससे पहले 28 सितंबर को नीरज साहू निवासी महालक्ष्मी विहार कालोनी एमआर-5 मार्ग के आरबीएल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 1.39 लाख की धोखाधड़ी की गई। यहीं नहीं 22 सितंबर को खाचरौद के ग्राम दुपडावदा में रहने वाले गिरधारी पाटीदार के खाते से अनाधिकृत तरीके से 65 हजार का ट्रांजेक्शन हो गया। 21 सितंबर को रामप्रसाद भार्गव मार्ग पर रहने वाले रिजवान शेख का मोबाइल हैक हुआ और खाते से 28 हजार 977 रुपए गायब हो गये। इसी दिन इब्राहिमपुरा में रहने वाले सुजाउद्दीन अली के खाते से 85 हजार निकाले गये। 25 सितंबर को पटवा बाखल में रहने वाला आदित्य कसेरा का मोबाइल हैक हो गया था। कुछ देर बाद मैसेज मिला कि खाते से 97 हजार 600 का ट्रांजेक्शन हुआ है। सभी ने अपने साथ हुई ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर दर्ज कराई थी। जहां से मामले चिमनगंज, खाराकुआ और खाचरौद थाना पुलिस के पास पहुंचे। सभी मामलों में पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।



पुलिस के प्रयासों से आगे साइबर ठग

साइबर ठगी करने वाले पुलिस द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लगातार प्रयास किये जा रहे है। जहां लोगों को जागरूक किया जा रहा है, वहीं धोखाधड़ी में उपयोग हो रहे मोबाइल नम्बरों को ट्रेस कर उन्हे बंद कराने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। बावजूद ऑनलाइन ठगी का ग्राफ कम नहीं हो रहा है। ठग हर बार धोखाधड़ी का तरीका बदल कर पुलिस से एक कदम आगे चलते दिखाई दे रहे है।

हेल्पलाइन शिकायत के बाद होल्ड राशि

पुलिस द्वारा देशभर में साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 जारी किया गया है। जिस पर धोखाधड़ी की तत्काल शिकायत दर्ज कराने पर ठगों द्वारा जिस खाते में राशि का ट्रांजेक्शन किया जा रहा है उसे होल्ड कराया जा रहा है। कई लोगों के खाते में राशि वापस आ भी रही है। पुलिस ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, लेकिन अधिकांश खाताधारक पकड़े जा रहे है। जो पहले ही अपने खातों को किराये पर या बेच चुके होते है।

पति कमरे में पहुंचा तो फंदे पर लटकी थी पत्नी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

गुरूवार सुबह कमरे से बाहर नहीं आई पत्नी को देखने पति पहुंचा तो उसने फंदे पर लटका देखा। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल लाया गया। मामले में जांच की जा रही है।

घट्टिया थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम बिछडौद में रहने वाली दीपा पति दिलीप राठौर 35 साल ने सुबह घर में फांसी लगा ली थी, पति कमरे में पहुंचा तो उसने फंदे पर लटका देखा और परिवार के साथ आसपास के लोगों को बुलाया। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिये बॉडी अस्पताल लाई गई। परिजनों ने बताया कि दीपा का मायका बड़वानी में है। उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं था, जिसका उपचार भी चल रहा था। मृतिका के परिजन भी उज्जैन पहुंच गये थे। उनका कहना था कि शादी को 9 साल हो चुके है। दीपा ऐसा कदम नहीं उठा सकती थी। पुलिस के अनुसार संभवतः मामला पारिवारिक विवाद का है। मायके और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज कर जांच शुरू की जायेगी।

65 साल के वृद्ध ने खाया जहर

चिंतामण गणेश थाना क्षेत्र के ग्राम नलवा में रहने वाले 65 वर्षीय रणछोड़ पिता देवाजी चौहान ने गुरूवार सुबह जहर खा लिया था। परिजन उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन कुछ देर बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रणछोड़ शराब पीने का आदी था। उसने शराब के साथ ही जहर मिलाकर पिया है। पुलिस का कहना था कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। फिलहाल आत्महत्या का करण सामने नहीं आया है।

इंदौर से पकड़ाया युवती का पीछा करने वाला युवक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

इंस्टाग्राम पर मैसेज कर वीडियो भेजकर युवती को परेशान करने वाला आरोपी युवक इंदौर से पुलिस की हिरासत में आ गया। जिसके खिलाफ धारा 78(1)(2)(3) का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पंवासा थाना एएसआई संतोष राव ने बताया कि जूनी ताजपुर की रहने वाली युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसे इंस्टाग्राम पर मैसेज और वीडियो भेजकर इंदौर का रहने वाला उदय मेहरू परेशान कर रहा है। उसके द्वारा अलग-अलग इंस्टाग्राम आईडी से मैसेज किये जा रहे है। शिकायत पर मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू की गई और इंदौर के आराधना नगर से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। एएसआई राव के अनुसार आरोपी युवती के दूर का रिश्तेदार है। युवती ने उसके खिलाफ पूर्व में भी छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई थी। बावजूद युवक द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा था।



राघौपिपलिया में सड़क दुर्घटना, युवक की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

इंदौररोड ग्राम राघौपिपलिया में गुरूवार दोपहर को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उसे घायल देख कुछ लोगों ने नानाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया था। चिंतामण गणेश थाना पुलिस ने बताया कि दोपहर में सूचना मिली थी कि ग्राम राघौपिपलिया में अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना में देवांग पिता पंकज साहू 22 साल घायल हो गया था। जिसे कुछ लोगों ने कार के माध्यम से उपचार के लिये नानाखेड़ा स्थित अवंति अस्पताल तक पहुंचाया था। जहां उसकी मौत हो गई है। पुलिस अस्पताल पहुंची, मृतक युवक के पास मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान की गई और चरक अस्पताल के पीछे रहने वाले परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के आने पर उन्होने बताया कि प्रशांतिधाम कॉलेज जाने के लिये निकला था। पुलिस ने बताया कि सिर में लगी चोंट से मौत होना सामने आया है मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिये दुर्घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों के फुटेज देखे जा रहे है।

प्रशासन को चेतावनी देकर कहा अगर मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं तो उग्र आंदोलन

किसानों ने नारेबाजी कर रखी समस्या हल की मांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पूर्व घोषणानुसार गुरूवार को जिले के किसान जिला मुख्यालय कलेक्टोरेट पर जुटे और अपनी समस्याओं के निदान को लेकर नारेबाजी की गई। नारेबाजी के दरमियान पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी को भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह आंजना की उपस्थिति में ज्ञापन का वाचन कर सौंपा गया। इसके साथ ही प्रशासन को चेतावनी देकर कहा गया कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नही लिया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

भारतीय किसान संघ के किसानों ने उज्जैन जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने के लिए ज्ञापन दिया है। जिला प्रचार प्रमुख जालम सिंह रेबारी के अनुसार प्रमुख रूप से उज्जैन जिले में हुई अल्प वर्षा के कारण सूखे की स्थिति निर्मित हो रही है ट्यूबवेल एवं कुए अभी से ही सुख रहे हैं। तालाबों में पानी नहीं है, नदियां सुखी रह गई जिले भर से आए कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को चेताया कि अगर हमारी मांगो पर शीघ्रता से निर्णय नहीं लिया गया तो अब अधिक से अधिक संख्या में किसान उग्र आंदोलन करेगा।

ये रखी मांगे

- नर्मदा का पानी नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचाया जाये और बाकी बची तहसीलो में भी पाइप लाइन बिछाई जाये। सुखे तालाब, नदियों में नर्मदा का पानी छोड़ा जाये, 25 अक्टूबर तक चालू की जाये।
- उज्जैन जिले को सुखा घोषित किया जाये, जिसमें राहत राशी. बीमा व अन्य सुविधा किसानों को दी जायें, सुखे के तहत।
- अघोषित विद्युत कटौती गाँव में तुरंत बद की जावें। कृषि के लिए 10 घंटे दिन में बिजली दी जायें।
- खाद्य के टोकन में दिक्कत का सामना किसानों को करना पड रहा है, उसका सरलीकरण किया जाये।
- बीज निगम की स्थापना उज्जैन जिले में की जाये, पूर्व में आगर रोड़ पर थी पर अभी देवास किया गया है।
- मात्र गेहूँ के समर्थन मुल्य पर प्रति क्वींटल 25 रु. बढ़ाना किसानों का अपमान है जबकि खाद पर एक बार में 500 से 800 रु. प्रति बेग बढ़ाए गए।
- कान्ह डायवर्शन योजना में 70 फिट नीचे खुदाई की जा रही है और पिछले दो माह से पानी को 6-7 मोटर डालकर नाले में बहाया जा रहा हैं। गांव ब्रजराज खेड़ी, पाल खेड़ी, हासामपुरा और चान्दमुख में भयंकर जल संकट उत्पन्न हो गया है। इन गांवों में किसानों को विशेष मुआवजा राहत निर्माणकर्ता कंपनी से दिलाई जाए।

कान्ह डायवर्सन के काम से कुछ गांवों में पानी के संकट पर मुआवजा की मांग भी उठी



पांच साल से रखरखाव पर कर कई लाख का खर्च सामने आया, चौकीदारों ने रखवाली की

उज्जैन में 12 करोड़ का गेंहू सड़ा रखवाली में खर्च हुए 25 लाख रुपये

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

वर्ष 2020-21 के दौरान समर्थन मूल्य पर खरीदा गया करीब 12 करोड़ का गेंहू पिपल्या मोलू में पड़ा-पड़ा ही सड़ गया है। गेंहू से सडांध आने लगी है और हवा-पानी से पर्याप्त बचाव न हो पाने के कारण यह स्थिति बनी है। करीब 67 हजार क्विंटल गेंहू को बेचने के लिए दो बार टेंडर किए गए लेकिन खरीददार के अभाव में गेंहू पड़ा रहा। इसकी निगरानी पर ही पिछले 5 सालों में 25 लाख से ज्यादा के व्यय की बात सामने आ रही है।

दो बार टेंडर किए लेकिन नहीं मिला खरीददार इस बीच गेंहू सडांध मारने लगा

वर्ष 2020-21 में समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी की गई थी। उसी के तहत ग्राम पिपलिया मोलू में खरीदी कर गेंहू रखा गया था। यह गांव उन्हेल-नागदा के बीच में आता है। करीब पौने 13 करोड़ की लागत का करीब 67 हजार क्विंटल गेंहू खरीद कर यहां रखा गया था। सूत्रों के अनुसार खरीदी के उपरांत वेयर हाउस में जगह नहीं होने के कारण गेंहू को ओपन केप में रखा था। इसके बाद खरीदी खत्म हो गई। मगर ओपन केप में रखे इस गेंहू का परिवहन कराने के लिए वेयर हाउस कॉपोरेशन के तात्कालीन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। स्टेट सिविल सप्लाई के अफसरों ने भी इसे सिरे से नजरअंदाज किया। इस तरह 5 साल से अधिक समय से ऐसे ही पड़ा रहा। ग्रामीणों की माने तो कई बार खराब मौसम में भी फटी बरसाती में गेंहू रहा और बारिश होने पर भीगा और धीरे-धीरे सड़ता रहा।



रखरखाब पर लाखों खर्च, दो बार बेचने का प्रयास

सूत्रों के अनुसार इस गेंहू के रखरखाव के लिए मात्र बरसाती एक सहारा थी और चौकीदार ही थे। दो चौकीदारों के भरोसे यह व्यवस्था चल रही थी। पिछले 5 सालों में बरसाती और चौकीदारों के नाम पर बराबर खर्च किया जाता रहा है। यह करीब लाखों में बताया जा रहा है। इस गेंहू को बेचने के लिए दो बार टेंडर किए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है लेकिन खरीददार का अभाव दोनों बार रहा है। नागरिक आपूर्ति निगम सैम्पल परीक्षण कर इसे खपाने में लगा है। खपाने के लिए कैटल फीड, पोल्ट्री या खाद आदि के लिए कैटेगरी बनाने की तैयारी कर रहा है।

ऐसे सड़ा गेंहू

खरीदी के बाद गेंहू को पिपल्या मोलू में ही पड़ा रहने दिया गया। अधिकारी चाहते तो समयानुकुल इसका उठाव करवाकर इसे बचा सकते थे लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके लिए नागरिक आपूर्ति निगम को पत्र भी दिए गए लेकिन ऐसा नहीं किया गया और करोड़ों का गेंहू दाव पर लगा दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com